www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 291 || लखनऊ
शनिवार
24 जनवरी 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 06:5
सूर्यास्तः 05:42
अधिकतमः 22:00
न्यूनतमः 12:00

पेज 03

विशेष समाचार | बालिका विकास के बन्द दरवाजे ... >> पेज 02 | बहन की शादी से 14 दिन पहले ... >> पेज 04 | काले चश्मे में करीना कपूर खान का ...

ये बस एक परिवार की जी हुजूरी में लगे हैं, केरल में पीएम ने कहा- यहां भाजपा की नींव पड़ गई

तमिलनाडु में डीएमके सरकार का काउंटडाउन शुरू : मोदी

दौरा

तमसा संकेत, एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। पीएम मोदी ने शुक्रवार को तमिलनाडु और केरल का दौरा किया। केरल के तिरुवनंतपुरम में 55 मिनट की स्पीच में पीएम ने कहा कि 1987 के पहले गुजरात में बीजेपी एक हाशिए की पार्टी थी। अखबार में दो लाइन नहीं छपती थीं। 1987 में पहली बार अहमदाबाद में नगर निगम में जीत हासिल की, वैसे ही बीजेपी ने तिरुवनंतपुरम में हासिल की। यहां से केरल में भाजपा की नींव पड़ गई है।' तमिलनाडु के चेंगलपट्टू में पीएम ने कहा कि राज्य के लोग डीएमके के कुशासन से मुक्ति चाहते हैं। डीएमके सरकार का काउंट डाउन शुरू हो चुका है। पीएम ने गांधी परिवार का नाम लिए बिना कहा कि तमिलनाडु सरकार बस एक परिवार की जी हुजूरी में लगी है। यहां उन्होंने 30 मिनट की स्पीच दी। पीएम का तमिलनाडु और केरल का दौरा इसलिए भी खास है क्योंकि इसी साल अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव होने हैं। डीएमके ने वादे बहुत किए लेकिन काम जीरो रहा। डीएमके सरकार को लोग CMC सरकार बोल रहे हैं।

>> (शेष पेज 04 पर)

पीएम मोदी ने कहा, 'बीते 11 सालों में करोड़ों देशवासियों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ने का बहुत बड़ा काम हुआ है। गरीब, एससी, एसटी, महिलाओं को आसानी से बैंक लोन मिलने लगे हैं। उनके पास कोई गारंटी नहीं है सरकार अब उनकी गारंटर बन रही है।'

मोदी बोले- डीएमके सरकार का काउंट डाउन शुरू

2026 में तमिलनाडु का पहला दौरा है ये वो समय है जब पूरा तमिलनाडु पोंगल उत्सव के बाद अलग आनंद में है। आज नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती है। देश आज के दिन को पराक्रम दिवस के रूप में मनाता है। तमिलनाडु के कई स्वतंत्रता सेनानियों ने नेताजी के साथ आजादी की लड़ाई लड़ी है। इस पावन भूमि से नेताजी को नमन करता हूं। ये जो विशाल जनसागर है इसका स्ट्रॉन्ग मैसेज तमिलनाडु में जा रहा है। तमिलनाडु चेंज के लिए तैयार है। डीएमके के कुशासन से मुक्ति चाहता है। तमिलनाडु एनडीए की सरकार चाहता है। आज एनडीए के सीनियर लीडर तमिलनाडु का भविष्य तय करने के लिए एक साथ आए हैं। हमें तमिलनाडु को करप्शन फ्री स्टेट बनाना है। डीएमके सरकार का काउंट डाउन शुरू हो चुका है।

तिरुवनंतपुरम से केरल में एंट्री की बात कही

पिछले साल 9 दिसंबर को केरल नगर निगम चुनाव के रिजल्ट आए थे। भाजपा ने पहली बार तिरुवनंतपुरम नगर निगम के 101 वार्डों में से 50 में जीत दर्ज की। यहां पिछले 45 साल से वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (LDF) का कब्जा था। LDF ने 29 और कांग्रेस गठबंधन (UDF) ने 19 वार्ड जीते थे। केरल के इतिहास में भाजपा का पहली बार मेयर बना। तिरुवनंतपुरम कांग्रेस सांसद शशि थरूर का गढ़ है। गुजरात वाली बात दोहराकर मोदी केरल में एंट्री की बात कह रहे हैं।

केरलः इकलौता राज्य जहां लेफ्ट सत्ता में

केरल देश का इकलौता राज्य है, जहां अभी भी लेफ्ट सत्ता में है। यहां सत्ता बदलने की परंपरा रही है, लेकिन 2021 में वाम मोर्चा (LDF) ने इस ट्रेंड को तोड़ते हुए लगातार दूसरी बार सरकार बनाई। कांग्रेस गठबंधन की कोशिश इस बार एंटी इनकम्बेंसी को कैश करानी की रहेगी। वहीं, BJP अब तक केरल में एक भी विधानसभा सीट नहीं जीत पाई है। पिछले लोकसभा चुनाव में यहां उसने त्रिशूर लोकसभा सीट जीती थी। इसके अलावा दिसंबर 2025 में भी BJP ने पहली बार त्रिवेंद्रम (तिरुवनंतपुरम) नगर निगम का चुनाव जीता।

पीएम ने कहा- केंद्र की योजनाओं का लाभ केरल के लोगों को भी मिला

पीएम मोदी ने कहा, 'विकसित भारत बनाने के लिए आज पूरा देश एकजुट होकर प्रयास कर रहा है। विकसित भारत के निर्माण में हमारे शहरों की बड़ी भूमिका रही है। बीते 11 सालों से केंद्र सरकार अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर पर निवेश कर रही है। केंद्र सरकार शहर के गरीब परिवारों के लिए भी बहुत काम कर रही है। पीएम आवास योजना के तहत देश में 4 करोड़ से ज्यादा घर बनाकर गरीबों को दिए गए हैं। इनमें शहरी गरीबों के लिए एक करोड़ से ज्यादा पक्के घर बनाए गए हैं। केरल के सवा लाख लोगों को उनका पक्का घर मिला है। केंद्र सरकार ने 12 लाख तक की इनकम टैक्स फ्री कर दिया है। इसका फायदा केरल के लोगों को भी हुआ है।'

पीएम ने कहा- केंद्र की योजनाओं का लाभ केरल के लोगों को भी मिला

पीएम मोदी ने कहा, 'विकसित भारत बनाने के लिए आज पूरा देश एकजुट होकर प्रयास कर रहा है। विकसित भारत के निर्माण में हमारे शहरों की बड़ी भूमिका रही है। बीते 11 सालों से केंद्र सरकार अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर पर निवेश कर रही है। केंद्र सरकार शहर के गरीब परिवारों के लिए भी बहुत काम कर रही है।

पीएम ने कहा- तिरुवनंतपुरम को देश का स्टार्टहब बनाने की पहल हुई

पीएम मोदी ने कहा- तिरुवनंतपुरम को देश का स्टार्टहब बनाने की पहल हुई है। केरल में गरीब कल्याण से जुड़ी नई शुरुआत भी हो रही है। पीएम स्वनिधि क्रेडिट कार्ड लॉन्च किया गया है। रेहड़ी पटरी वालों को लाभ होगा। उन्होंने कहा, विकसित भारत बनाने के लिए आज पूरा देश एकजुट होकर प्रयास कर रहा है। विकसित भारत के निर्माण में हमारे शहरों की बड़ी भूमिका रही है। बीते 11 सालों से केंद्र सरकार अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर पर निवेश कर रही है।

महुआ मोइत्रा से जुड़ा कैश फॉर क्वेरी मामला

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को TMC सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के मामले में सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि लोकपाल को कानून के मुताबिक इस मामले पर फैसला लेना होगा। जस्टिस अनिल क्षत्रपाल और हरीश वैद्यनाथन शंकर की बेंच ने कहा- लोकपाल को 2 महीने का अतिरिक्त समय दिया जाता है, वे फैसला करें CBI इस मामले में कानूनन चार्जशीट दाखिल करे या नहीं करे। बेंच ने कहा कि केस खत्म करने का समय 2 महीने बढ़ाया जाता है। समय बढ़ाने पर कोई और रिक्वेस्ट नहीं स्वीकारेंगे। इस पर महुआ और CBI दोनों के वकीलों ने कहा- लोकपाल को दिए समय का विरोध नहीं कर रहे हैं। 19 दिसंबर 2025 को हाईकोर्ट ने लोकपाल के 12 नवंबर 2025 के उस आदेश को रद्द कर दिया था, जिसमें CBI को मोइत्रा के खिलाफ चार्जशीट फाइल करने की मंजूरी दी गई थी। जस्टिस अनिल क्षतरपाल और हरीश वैद्यनाथन शंकर की बेंच ने कहा था।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में जैश कमांड ढेर

बिलावर इलाके में सुरक्षाबलों का सर्च ऑपरेशन जारी

- सुरक्षाबलों को जैश कमांडर उस्मान के ठिकाने से हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ।
- जैश कमांडर उस्मान पिछले 4 साल से डोडा-उधमपुर-कौथा इलाके में एक्टिव था।

तमसा संकेत, एजेंसी

कठुआ। जम्मू-कश्मीर के कठुआ में शुक्रवार शाम सुरक्षाबलों ने पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के कमांडर उस्मान को मार गिराया। एनकाउंटर बिलावर इलाके में हुआ। यहां आतंकियों की तलाश में सर्च ऑपरेशन चल रहा है। उस्मान पिछले 3-4 साल से

अन्य आतंकवादियों के साथ डोडा-उधमपुर-कौथा इलाके में एक्टिव था। एनकाउंटर की साइट से अमेरिका में बनी M4 राइफल, हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ। सूत्रों के मुताबिक सुरक्षाबलों और उस्मान का इससे पहले कठुआ, डोडा, बसंतगढ़, उधमपुर में भी आमना-सामना हुआ, लेकिन वो हर बार बच कर निकल जाता था।

>> (शेष पेज 04 पर)

उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों में मॉकड्रिल पूरी

दुश्मन के ड्रोन ने किया अटैक, पुलिस लाइन में अंधेरा छाया, ऑपरेशन सिंदूर जैसी ड्रिल

ब्लैकआउट

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के जन्मदिवस पर ब्लैक आउट मॉक ड्रिल की गई। इस दौरान 10 मिनट के लिए सभी जिलों में लाइटें बंद रहीं और पूरी तरह से ब्लैकआउट रहा। मॉक ड्रिल के दौरान बम फटे और आग लगी। इसके बाद वॉलंटियर्स ने लोगों के रेस्क्यू किया। मॉक ड्रिल के दौरान देखा जाता है कि हवाई हमले के लिए प्रशासन और आम लोग कितने तैयार हैं। पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पूरे देश में कई मॉक ड्रिल की गई थीं। इसके बाद से ब्लैकआउट और मॉक ड्रिल का सिलसिला जारी है। मॉक ड्रिल में यह देखा जाता है कि इमरजेंसी में दुश्मन देश के हमले से निपटने के लिए हम कितना तैयार हैं। यूपी सरकार के अधिकारियों ने बताया

सीएम योगी ने कहा- जब कोई दुश्मन हमला करता है तो सेना के जवान सरहद पर मुंह तोड़ जवाब देते हैं। मगर इसके साथ ही जो उस युद्ध से आबादी के बीच में हालात पैदा होते हैं वहां नागरिक सुरक्षा बल के लोग अपनी पूरी जिम्मेदारी निभाते हैं। किसी भी आपदा और विपदा में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की भूमिका बेहद अहम होती है।

कि 23 जनवरी 2026 को प्रदेश के सभी जिलों में ब्लैक आउट मॉक ड्रिल आयोजित किए जाने के आदेश दिए गए थे। ब्लैक आउट का आशय हवाई हमले या किसी आपात स्थिति के दौरान क्षेत्र के महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों, आवासों, सड़कों तथा आम जनता को सुरक्षित रखने के लिए विद्युत आपूर्ति बंद कर प्रकाश प्रतिबंध लागू करना होता है। इसी क्रम में 23 जनवरी 2026 को शाम 6 बजे से 6 बजे तक राजकीय इंटर कॉलेज परिसर, एवं उसके आसपास के क्षेत्रों में ब्लैक आउट एक्सरसाइज आयोजित की गई।

>> (शेष पेज 04 पर)

फास्ट न्यूज

बारिश के बीच गणतंत्र दिवस की फुल ड्रेस रिहर्सल

नई दिल्ली। नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर शुक्रवार को बारिश के बीच गणतंत्र दिवस परेड की फुल ड्रेस रिहर्सल हुई। बारिश के बावजूद सेना के जवानों ने कदमताल करते हुए मार्च किया। रिहर्सल में कई मंत्रालयों और विभागों की झांकियां भी शामिल रहीं। भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर और संस्कृति मंत्रालय ने वंदे मातरम् थीम पर झांकी निकाली।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने बाइक टैक्सी से बैन हटाया

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में अब बाइक टैक्सी चल सकेंगी। शुक्रवार को कर्नाटक हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को परमिट जारी करने का निर्देश दिया। चीफ जस्टिस विभु बखरू और जस्टिस सी एम जोशी की बेंच ने सुनवाई की। बेंच ने कहा- ओला, उबर समेत एप बेस्ड एग्रीगेटर कंपनियों की अर्जी स्वीकारी गई है। मौजूदा कानूनों के तहत जरूरी परमिशन पर बाइक को ट्रांसपोर्ट व्हीकल के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। बेंच ने कहा है कि बाइक टैक्सी चलाने वाले वाहन मालिकों या एग्रीगेटर कंपनियों को जरूरी लाइसेंस के लिए आवेदन करना होगा। राज्य सरकार बाइक टैक्सी रेगुलेशन में शर्तें लगा सकती है।

कार ने 5 साल के बच्चे को कुचला

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे स्थित लोनी काल्भोर में शुक्रवार को एक रिहायशी सोसाइटी में कार ने साइकल चला रहे 5 साल के बच्चे को कुचल दिया। इस हादसे में बच्चे की मौत हो गई। ये पूरी घटना सोसाइटी में लगे CCTV कैमरे में कैद हो गई। वीडियो में दिखता है बच्चा साइकल चला रहा था तभी एक कार आई और बच्चे को कुचलते हुए निकल गई।

शशि थरूर केरल कांग्रेस की बैठक में शामिल नहीं हुए

दावा- राहुल गांधी से नाराज, 19 जनवरी को राहुल ने कोच्चि में नाम नहीं लिया

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर शुक्रवार को केरल विधानसभा चुनावों को लेकर होने वाली पार्टी की अहम रणनीतिक बैठक में शामिल नहीं हुए। सूत्रों के मुताबिक थरूर हालिया घटनाक्रम से नाराज हैं। पीटीआई सूत्रों का कहना है कि 19 जनवरी को कोच्चि में आयोजित महापंचायत कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी ने मंच पर मौजूद कई वरिष्ठ नेताओं का नाम लिया, लेकिन शशि थरूर को नजरअंदाज कर दिया था। थरूर के करीबी सूत्रों के मुताबिक यह घटना उनके लिए टिपिंग पॉइंट साबित हुई। इससे पहले भी राज्य के कुछ नेता उन्हें नजरअंदाज करने की कोशिश कर चुके हैं, जिससे वह असहज महसूस कर रहे थे। इस मामले पर कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा कि केरल कांग्रेस के सभी बड़े नेता मीटिंग में आ रहे हैं। जो

कांग्रेस के किसी काम के नहीं हैं और बड़े नेता नहीं हैं वे आएं या न आएं कोई फर्क नहीं पड़ता। इस मामले पर थरूर के ऑफिस से कहा गया की ओर से कहा गया है कि वे केरल लिटरेचर फेस्टिवल के सिलसिले में कोझिकोड में पहले से तय कार्यक्रमों के कारण बैठक में शामिल नहीं हो पाएंगे और इसकी जानकारी पार्टी को दे दी गई है। हाल ही में वायनाड में हुए लक्ष्य 2026 लीडरशिप कैंप के दौरान पार्टी के भीतर मतभेद सुलझाने की कोशिश हुई थी।

लखनऊ में बोले- नेताजी का नाम आते ही हर भारतीय के मन में साहस और संकल्प जाग उठता है

योगी ने सुभाष चंद्र बोस को किया नमन

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सुभाष चंद्र बोस के चित्र पर पुष्प अर्पित किया।
- सीएम योगी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस के विचारों को पोस्ट किया।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज हजरतगंज स्थित नेताजी सुभाष चौक पर पहुंचे। स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। स्वतंत्रता संग्राम में नेताजी के साहसिक नेतृत्व और उनके योगदान को याद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भारत माता के ऐसे महान पुत्र की पावन जयंती है, जिनका नाम आते ही हर

भारतीय के सामने उनका विराट व्यक्तित्व स्वतः उभर आता है। उत्तर प्रदेश सरकार और प्रदेश की जनता की ओर से वह नेताजी के श्रीचरणों में नमन करते हैं। देश के प्रति उनके अतुलनीय योगदान के लिए कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। नेताजी का जीवन हर भारतीय को विपरीत परिस्थितियों में भी देशद्रोही और देशविरोधी ताकतों के सामने न झुकने का दृढ़ संकल्प देता है।

>> (शेष पेज 04 पर)

23 जनवरी 1897 को हुआ था नेताजी का जन्म

नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को हुआ था। उन्होंने आजाद हिंद फौज की स्थापना की और "दिल्ली चलो" जैसे नारों से स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। उनके नेतृत्व और विचारधारा ने देशभर में आज़ादी के लिए अद्वितीय जोश पैदा किया।

सोशल मीडिया पर साझा किया नेताजी के विचार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए नेताजी के ऐतिहासिक नारे "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा" का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस महाघोष ने देश के स्वतंत्रता संग्राम को नई ऊर्जा और स्पष्ट दिशा दी।

सीएम योगी ने लिखा- आजाद हिंद फौज के संस्थापक नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने अपने विचारों और संघर्ष से भारतीय युवाओं में देशभक्ति की भावना को और मजबूत किया। उनके योगदान ने आजादी की लड़ाई को निर्णायक मोड़ देने में अहम भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को पराक्रम दिवस की शुभकामनाएं देते हुए लिखा- नेताजी की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। प्रदेश की जनता को पराक्रम दिवस की हार्दिक बधाई। उन्होंने अपने संदेश का समापन "जय हिंद" के साथ किया।

सीसीटीवी में पथराव करते दिखे युवक, 13 बसों में तोड़फोड़, 15 गिरफ्तार

उज्जैन के तराना में बस फूंकी- दुकान जलाई, मंदिर पर पथराव

- तराना के नई बाखल इलाके में पुलिस के सामने उपद्रवियों ने तोड़फोड़ की।
- नमाज के बाद कुछ उपद्रवियों ने पथराव शुरू कर दिया।
- थाना परिसर में हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने हनुमान चालीसा का पाठ किया।

तमसा संकेत, एजेंसी

आनंद निगम, उज्जैन/तराना। उज्जैन के तराना कस्बे में गुरुवार रात शुरू हुआ

विवाद शुक्रवार दोपहर बाद हिंसा में बदल गया। हालात उस समय बेकाबू हो गए, जब एक दुकान में आग लग गई और एक बस को फूंक दिया गया। आगजनी के बाद दोनों पक्षों के बीच पथराव शुरू हो गया।

>> (शेष पेज 04 पर)

कल शुरू हुआ था विवाद, इलाके में लगाई थी धारा 144

गौरतलब है कि तराना में गुरुवार शाम करीब 7.30 बजे दो पक्षों में विवाद हो गया था। उपद्रवियों ने बस स्टैंड पर खड़ी 11 बसों में तोड़फोड़ कर दी थी। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने क्षेत्र में धारा 144 लागू कर दी गई थी। विवाद की शुरुआत बड़े राम मंदिर के सामने स्थित सुखला गली में हुई थी। यहां मंदिर के सामने विश्व हिंदू परिषद के नगर मंत्री सोहेल ठाकुर (बुंदेला) खड़े थे। इसी दौरान ईशान मिर्जा सहित कुछ लोग वहां आए। कहने लगे कि यहां क्यों खड़े हो? इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया। कुछ युवकों ने पीछे से सोहेल पर हमला कर दिया।

एक बस को फूंक दिया गया।

पार्षद शेख यासिम ने कहा कि निजी लड़ाई को धर्म से जोड़ दिया गया। मेरी और मेरे भाई की 12 बसें तोड़ दी गईं, जिससे करीब 3 लाख रुपए का नुकसान हुआ। हमारी क्या गलती थी? यहां हमारी बसों के अलावा अन्य लोगों की कारें और दुकानें भी तोड़ी गईं। हम चाहते हैं कि नगर में शांति बनी रहे, जिन्होंने यह कारनामा किया है, उनका मालिक उन्हें देखेगा।

अमेरिकी टैरिफ से कपड़ा कारोबार को नुकसान : राहुल

4.5 करोड़ नौकरियां दांव पर, मोदी जवाबदार

दावा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को दावा किया कि अमेरिकी टैरिफ से कपड़ा निर्यातकों को भारी नुकसान हुआ है। राहुल ने कहा 4.5 करोड़ से अधिक नौकरियां और लाखों कारोबार दांव पर लगे हैं, लेकिन मोदी ने न तो कोई राहत दी है और न ही अमेरिकी टैरिफ पर कुछ कहा। मोदी जी, आप जवाबदेह हैं। कृपया इस मुद्दे पर ध्यान दें। राहुल ने वीडियो के साथ एक्स (X) पर किए गए पोस्ट में कहा, अमेरिका में 50% टैरिफ और अनिश्चितता भारत के कपड़ा निर्यातकों को बुरी तरह नुकसान पहुंचा रही है। नौकरियां जा रही हैं, फैक्ट्रियां बंद हो रही हैं और ऑर्डर कम हो रहे हैं। यह

हमारी 'डेड इकॉनोमी' की सच्चाई है। राहुल कहा कि भारत के लिए यह बेहद जरूरी है कि अमेरिका के साथ ऐसा व्यापार समझौता किया जाए, जिसमें भारतीय कारोबार और मजदूरों के हित सबसे ऊपर रहें। उन्होंने यह भी कहा कि PM नरेंद्र मोदी को अपनी कमजोरी का असर इकॉनोमी पर और नहीं पड़ने देना चाहिए। राहुल ने हरियाणा की कपड़ा फैक्ट्री के अपने हाल ही में किए दौरे का वीडियो सोशल पर शेयर किया।

सम्पादकीय

थाने में पत्रकार, कटघरे में पत्रकारिता

शा

जम्मू-कश्मीर में साइबर पुलिस की ओर से पत्रकारों को तलब किए जाने पर और उनसे हलफ़नामे पर हस्ताक्षर करने के लिए दबाव बनाने के आरोपों पर प्रेस की आजादी का सवाल नए सिर से खड़ा हो गया है। पिछले हफ़्ते जम्मू-कश्मीर में पुलिस ने मस्जिदों की प्रबंधन समितियों के सदस्यों और उनके परिवारों की सभी निजी जानकारियां इकठ्ठा करने का अभियान शुरू किया था। कई बड़े अख़बारों के इस ख़बर को छापने पर श्रीनगर में मौजूद उनके संवाददाताओं को साइबर पुलिस ने तलब किया। इसी सिलसिले में इंडियन एक्सप्रेस और हिंदुस्तान टाइम्स के पत्रकारों के साथ किया गया सलूक अब विवाद का कारण बन गया है। इंडियन एक्सप्रेस की खबर के मुताबिक पिछले 20 सालों से उनके संपादक रहे बशारत मसूद ने श्रीनगर के साइबर पुलिस थाने में चार दिनों में 15 घंटे बिताए और उनसे एक बॉण्ड पर हस्ताक्षर करने को कहा गया कि वह शांति भंग करने वाला कोई काम नहीं करेंगे। हालांकि बशारत मसूद ने हस्ताक्षर करने से इंकार कर दिया। वहीं हिंदुस्तान टाइम्स ने अपनी खबर में कहा कि उसके संवाददाता आशिक हुसैन को भी मौखिक समन मिला था, लेकिन अखबार ने जवाब देने के लिए 'कारण सहित' लिखित समन की मांग की। इस मामले पर एडिटर्स गिल्ड ऑफ़ इंडिया ने पत्रकारों की स्वतंत्रता और सुरक्षा का सवाल उठाते हुए एक बयान जारी कर कहा है कि, 'पत्रकारों को मनमाने ढंग से तलब करना, पुलिस की ओर से पूछताछ करना और दबाव में हलफ़नामे लेने की कोशिश करना, मीडिया को उसके वैध कर्तव्यों के निर्वहन से रोकने के लिए किया गया ज़बरदस्ती और डराने-धमकाने जैसा क़दम है।' एडिटर्स गिल्ड ने पुलिस और अधिकारियों से ऐसी कार्रवाइयां नहीं करने की अपील की है, जो अभिव्यक्ति की आज़ादी को सीमित करती हैं और मीडिया को उसके मूल कामकाज से रोकती हैं। वहीं डिजीटल मीडिया के संगठन डिजीपब न्यूज़ इंडिया फ़ाउंडेशन ने इसे 'पत्रकारों का उत्पीड़न' बताया है। डिजीपब के बयान में कहा गया, 'पत्रकारों को तलब करने के ठोस कारण नहीं बताए गए। हफ़्तों तक उन्हें अलग-अलग अधिकारियों के पास भेजा जाता रहा, लेकिन बार-बार पूछने के बावजूद किसी कथित अपराध की जानकारी नहीं दी गई। जनहित के लिए की जाने वाली ऐसी पत्रकारिता को अपराध की तरह पेश करना और बिना क़ानूनी प्रक्रिया के 'पत्रकारों को बॉन्ड पर हस्ताक्षर के लिए मजबूर करना प्रेस की आज़ादी पर गंभीर हमला' है। बयान में यह भी कहा कि साल 2019 में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद से 'जम्मू-कश्मीर में प्रेस की आज़ादी लगातार कमज़ोर हुई' है। इन दोनों महत्वपूर्ण संगठनों के बयानों से जाहिर होता है कि प्रेस की आजादी को लेकर वे चिंतित हैं, लेकिन पिछले 12 सालों में पत्रकार उत्पीड़न की यह न पहली घटना है और न इसे आखिरी माना जा सकता है। बल्कि अब जो हालात बने हैं, उसमें स्वतंत्र पत्रकारिता के लिए जगह सिमटती जा रही है। इन दोनों संगठनों को अगर पत्रकारों और पत्रकारिता की हालत दुरुस्त करनी है, तो सरकार से केवल अपील करके काम नहीं चलेगा, इसके लिए दीर्घकालिक योजना बनाने और पत्रकारों को एकजुट करने की भी जरूरत है। मौजूदा माहौल में पत्रकार भी दो खेमे में बंटे हुए हैं। एक तबका वह है जो दीपावली और नए साल के मौकों पर सत्ता से तोहफे लेकर खुश है। यह तबका खुद को राष्ट्रवादी मानकर सरकार की आलोचना को पाप समझता है और लगातार उन्हीं मुद्दों पर खबरें बनाता है, विमर्श करता है, जिससे सरकार को फायदा पहुंचे। दूसरी तरफ वो पत्रकार हैं, जो सारे जोखिम उठाकर सत्ता पर बैठे लोगों से ऐसे सवाल पूछते हैं, जिनसे सत्ताधारियों को असुविधा होती है। इन पत्रकारों को घंटा देख कर आए हो, जैसे जवाब सुनने पड़ते हैं। इसके बाद भी कुछ आवाज़ें तो पत्रकार के समर्थन में उठती हैं, लेकिन बाकी फौरन लीपापोती में जुट जाते हैं। जम्मू-कश्मीर में ही 2019 के बाद फ़हाद शाह के अख़बार 'कश्मीरवाला' को बंद कर दिया गया और उन्हें सेंट्रल जेल भेजा गया, जहां 21 महीने बाद उन्हें ज़मानत मिली। पिछले साल नवंबर में जम्मू में 'कश्मीर टाइम्स' के दफ़्तर पर छापा मारा गया और पुलिस ने दावा किया कि वहां हथियार मिले हैं। यह अख़बार कई साल पहले छपना बंद हो चुका है और अब सिर्फ ऑनलाइन पोर्टल चलाता है। इन घटनाओं पर इंटरनेशनल फ़ेडरेशन ऑफ़ जर्नलिस्ट्स और रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स जैसी वैश्विक संगठनों ने चिंता जता चुके हैं। लेकिन इसमें देशव्यापी स्तर पर जैसा विरोध देखने मिला था, वह नहीं हुआ। अभी की घटना पर भी इंडियन एक्सप्रेस ने एक बयान में कहा है कि, 'हम अपने पत्रकारों के सम्मान और गरिमा की सुरक्षा में कोई कमी नहीं छोड़ेंगे।' लेकिन सवाल यही है कि यह कैसे होगा।

बालिका विकास के बन्द दरवाजे खोलने का समय

"बालकों को बचपन से ही सम्मान, सह-अस्तित्व और समानता के मूल्य सिखाने होंगे। जब पुरुष स्वयं को 'रक्षक' नहीं, बल्कि 'सहयात्री' मानेंगे, तभी समाज में वास्तविक संतुलन आएगा। पितृसत्ता की जड़ें तभी कमजोर होंगी, जब परिवार में पिता और मां दोनों समान रूप से बालिका की क्षमताओं पर विश्वास करेंगे।

राष्ट्रीय बालिका दिवस बालिकाओं के अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य और सशक्तिकरण के लिए जागरूकता बढ़ाने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने का दिन है, जिसकी शुरुआत 2008 में हुई; जिसके माध्यम से बालिकाओं की तस्वीर बदल रही है, जहाँ अब वे शिक्षा, खेल और नेतृत्व में आगे बढ़ रही हैं, लेकिन बाल विवाह, कन्या भ्रूण हत्या और कुपोषण जैसी चुनौतियां अभी भी हैं, जिन्हें 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसी योजनाओं और कानूनों से दूर करने का प्रयास जारी है, जिससे वे समाज का गौरव और प्रगति का चेहरा बन सकें। इस दिवस का उद्देश्य बालिकाओं के अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाना, लैंगिक भेदभाव को कम करना, शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण के महत्व पर जोर देना है। बालिकाएं अब विज्ञान, प्रौद्योगिकी, रक्षा और नेतृत्व जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं। समाज में बेटियों के प्रति सोच में बदलाव आया है। कानूनी उपाय जैसे बाल विवाह निषेध अधिनियम, पोस्को अधिनियम और सरकारी योजनाएं जैसे मिशन वात्सल्य, पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन आदि बालिकाओं के कल्याण के लिए काम कर रही हैं। इन सबके बावजूद आज भी बालिकाएं शोषण एवं भेदभाव का शिकार है। बालिका लिंगानुपात में भले ही सुधार हुआ है, लेकिन बाल विवाह और कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुप्रथाएँ अभी भी मौजूद हैं। बालिकाओं में एनीमिया और कम वजन जैसी पोषण संबंधी समस्याएं चिंता का विषय बनी हुई हैं। पितृसत्तात्मक मानसिकता को खत्म करने और बालिकाओं को समान अवसर देने की आवश्यकता है। आजादी के अमृत काल में भारत स्वयं को एक नए आत्मविश्वास, नई आकांक्षाओं और नए संकल्पों के साथ गढ़ रहा है। इस परिवर्तनशील भारत की सबसे मजबूत आधारशिला यदि कोई है, तो वह है-बालिका। राष्ट्रीय बालिका दिवस आत्ममंथन का अवसर है कि आज हमारी बालिकाएं किस दशा में हैं, किस दिशा में बढ़ रही हैं और समाज उनके लिए कैसा भविष्य रच रहा है। यह भी प्रश्न है कि क्या हम वास्तव में उस भारत का निर्माण कर पा रहे हैं, जहां बालिका जन्म से ही बोझ नहीं, बल्कि भविष्य की निर्माता मानी जाए। दोनों हाथ एक साथ को चरितार्थ करते हुए पुरुष एवं नारी दोनों की शक्ति से नया भारत निर्मित हो। पिछले कुछ दशकों में बालिकाओं की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुए हैं। शिक्षा के क्षेत्र में उनकी भागीदारी बढ़ी है, खेल, विज्ञान, प्रशासन, राजनीति और उद्यमिता में बालिकाओं और महिलाओं ने असाधारण उपलब्धियां अर्जित की हैं। आज ग्रामीण भारत की बेटियां भी अंतरिक्ष विज्ञान, स्टार्टअप, सेना और सिविल सेवाओं में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। यह परिवर्तन संकेत देता है कि आजादी के अमृत काल में महिलाओं और बालिकाओं की भूमिका केवल सहभागी नहीं, बल्कि नेतृत्वकारी होगी और यही राष्ट्र के सर्वोच्च शिखर की ओर ले जाने वाली शक्ति बनेगी। लेकिन इस उजली तस्वीर के समानांतर एक कड़वा यथार्थ भी है, जिसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। आज भी बालिकाओं और महिलाओं के विरुद्ध अपराध, शोषण, यौन हिंसा, घरेलू अत्याचार, बाल विवाह और साइबर उत्पीड़न जैसी घटनाएं समाज की संवेदनशीलता पर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। बलात्कार और हिंसा की घटनाएं केवल कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं हैं, वे हमारी सामूहिक मानसिकता की विफलता का परिणाम हैं। जब एक बच्ची की सुरक्षा घर, स्कूल, सड़क और डिजिटल दुनिया-कहीं भी सुनिश्चित नहीं होती, तब यह स्पष्ट हो जाता है कि विकास के दावे अधूरे हैं। नए भारत, विकसित भारत और समता-मूलक भारत की परिकल्पना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच का केंद्रबिंदु नारी-शक्ति और विशेषकर बालिकाओं का सशक्तिकरण है। उनका दृष्टिकोण केवल कल्याणकारी योजनाओं तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता के रूपांतरण का आह्वान करता है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसी अनेक योजनाओं ने बालिका को बोझ नहीं, बल्कि राष्ट्र की पूंजी के रूप में देखने की दृष्टि विकसित की है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता, डिजिटल सशक्तिकरण और सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं ने बालिकाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खोले हैं। प्रधानमंत्री का यह स्पष्ट संदेश है कि जब तक बालिका शिक्षित, सुरक्षित और आत्मनिर्भर नहीं होगी, तब तक विकसित भारत का सपना अधूरा रहेगा। उनकी व्यापक सोच बालिका को केवल संरक्षण की वस्तु नहीं, बल्कि नेतृत्व, नवाचार और राष्ट्र निर्माण की सक्रिय सहभागी मानती है। यही कारण है कि आज की बालिकाएं आत्मविश्वास के साथ विज्ञान, खेल, प्रशासन और उद्यमिता में आगे बढ़ रही हैं और आने वाला भारत नारी-शक्ति के नेतृत्व में संतुलित, समतामूलक और सशक्त राष्ट्र के रूप में उभरता दिखाई देता है। समस्या की जड़ केवल अपराधी नहीं, बल्कि वह सोच है जो बालिका को कमजोर, पराधीन और सहनशील मानती है। यह सोच परिवार से शुरू होकर समाज और संस्थानों तक फैलती है। बेटा-बेटी में भेद, आज भी कई घरों में संसाधनों, अवसरों और स्वतंत्रता के वितरण में दिखाई देता है। बालिकाओं को 'संस्कार' के नाम पर चुप रहना सिखाया जाता है, जबकि बालकों को अधिकार और स्वच्छंदता। यही असमान सामाजिक प्रशिक्षण आगे चलकर हिंसा और शोषण को जन्म देता है। आज जरूरत है एक नए सामाजिक दृष्टिकोण की-ऐसे दृष्टिकोण की, जिसमें अपराध के बाद की प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि अपराध से पहले की रोकथाम केंद्र में हो। समाज को यह समझना होगा कि महिलाओं पर हो रहे अत्याचार केवल महिलाओं का मुद्दा नहीं, बल्कि पूरे समाज की नैतिक पराजय हैं। कानून सख्त हों, यह आवश्यक है, पर उससे भी अधिक आवश्यक है सामाजिक चेतना का परिवर्तन। जब तक हम पीड़िता से प्रश्न पूछते रहेंगे, उसके कपड़े, उसका समय, उसकी स्वतंत्रता-तब तक अपराधियों का मनोबल टूटेगा नहीं। इसी के साथ बालिकाओं और महिलाओं को भी अपनी सोच को नए सिरे से गढ़ना होगा। आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक नहीं, मानसिक और वैचारिक भी होनी चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री नहीं, आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और निर्णय लेने की क्षमता विकसित करना होना चाहिए। बालिकाओं को यह सिखाना होगा कि वे अपने अधिकारों को पहचानें, अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाएं और स्वयं को किसी भी रूप में कमतर न मानें। आज की बालिका को 'सहनशील' नहीं, 'सजग और सशक्त' बनाना समय की मांग है। शासन और प्रशासन की भूमिका भी इस परिवर्तन में निर्णायक है। योजनाएं तभी प्रभावी होंगी, जब वे जमीनी स्तर तक पहुंचें और उनका क्रियान्वयन संवेदनशीलता के साथ हो। पुलिस, न्यायपालिका, शिक्षा तंत्र और स्वास्थ्य व्यवस्था-सभी में जेंडर संवेदनशीलता को अनिवार्य बनाना होगा। फास्ट ट्रैक न्याय, पीड़िता केंद्रित प्रक्रियाएं और मानसिक परामर्श जैसी व्यवस्थाएं केवल कागजों में नहीं, व्यवहार में दिखनी चाहिए। डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा और ऑनलाइन उत्पीड़न से निपटने के लिए भी विशेष रणनीति आवश्यक है। साथ ही, पुरुषों और बालकों की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। लैंगिक समानता केवल महिलाओं की जिम्मेदारी नहीं है।

● ललित गर्ग

यदि ये समस्याएं ...

अशोक भाटिया

हवाई अड्डे के बाजार में उछाल

जेफरीज के विश्लेषण से पता चलता है कि भारत का एयरपोर्ट सेक्टर तेजी से एक आकर्षक रिटेल बाज़ार में बदल रहा है, जो अपनी पारंपरिक भूमिका से आगे बढ़ रहा है। नॉन-एरोनॉटिकल राजस्व (भोजन, पेय, ड्यूटी-फ्री शॉपिंग, कार पार्किंग सब कुछ) FY25 से FY28 के बीच 16% की मजबूत वार्षिक दर से बढ़ने का अनुमान है। ये सेगमेंट पहले से ही कुल एयरपोर्ट आय का 40-50% हैं और महत्वपूर्ण रूप से लगभग 80% एयरपोर्ट ऑपरेटरों के मूल्यांकन का आधार बनते हैं।GMR एयरपोर्ट्स, जो दिल्ली और हैदराबाद जैसे प्रमुख हब का प्रबंधन करता है, पर्याप्त वित्तीय लाभ के लिए तैयार है। जेफरीज का अनुमान है कि कंपनी का समेकित EBITDA FY25 और FY28 के बीच सालाना 28% बढ़ सकता है। इस आक्रामक विकास का अनुमान इसके प्रमुख हवाई अड्डों पर लगातार बढ़ते प्रति-यात्री खर्चों से प्रेरित है, जो टर्मिनलों के भीतर रिटेल माहौल के सफल मुद्रीकरण को दर्शाता है। यह रिटेल-फर्स्ट रणनीति 2026 में तीन प्रमुख हवाई अड्डों के खुलने के साथ और तेज होगी: नवी मुंबई (अडानी), नोएडा अंतर्राष्ट्रीय (फ्लगहफेन ज्यूरिख), और विशाखापत्तनम के पास भोगपुरम (GMR)। ये विकास केवल पारगमन बिंदु के रूप में नहीं, बल्कि एकीकृत वाणिज्यिक पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में डिज़ाइन किए गए हैं। अडानी एंटरप्राइजेज, जो पहले से छह हवाई अड्डों का प्रबंधन करता है, अपने मुंबई, नवी मुंबई और अहमदाबाद स्थानों पर सिटी-साइड परियोजनाओं का सक्रिय रूप से विकास कर रहा है, ताकि निरंतर आय के लिए एरोट्रोपोलिस मॉडल का लाभ उठाया जा सके। मजबूत रिटेल गति के बावजूद, एयरपोर्ट राजस्व वृद्धि यात्री फुटफॉल पर निर्भर करती है, जो एयर-लाइन क्षमता की बाधाओं के प्रति संवेद-नशील है। पायलटों की कमी और फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (FTDL) जैसे कारकों के कारण हवाई यात्री वृद्धि में पहले ही महत्वपूर्ण मंदी आ चुकी है। यदि ये समस्याएं बनी रहती हैं, तो एयरलाइन्स क्षमता वृद्धि को सीमित कर सकती हैं, जिससे ऑपरेटरों के लिए लाभप्रदता बनाए रखने के लिए नॉन-एरोनॉटिकल राजस्व धाराएँ और भी महत्वपूर्ण हो जाएंगी।आगे देखते हुए, सरकार द्वारा मार्च 2026 तक भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की 11 संपत्तियों के नियोजित निजीकरण से विस्तार के नए रास्ते खुलेंगे। भुवनेश्वर और वाराणसी जैसे शहरों में ये आगामी हवाई अड्डे नए बंदी बाजार प्रस्तुत करते हैं जहां एयरपोर्ट ऑपरेटर अपने सफल रिटेल-केंद्रित व्यवसाय मॉडल को दोहरा सकते हैं, जो दीर्घकालिक विकास क्षमता को मजबूत करता है। देखने वाली बात यह है कि अब जब आप आज दिल्ली हवाई अड्डे के टर्मिनल तीन पर हैं, तो देरी का कारण प्रस्थान द्वार नहीं हो सकता है। तो नया चैनल एक बुटीक होगा। हैदराबाद में फ्लाइट में चढ़ने से पहले गॉर्डन रामसे बर्गर खाना आकर्षक हो सकता है। पूरे भारत में हवाई यात्रा को इसी तरह से नया रूप दिया जा रहा है। अब हवाई यात्रा केवल गंतव्य तक पहुंचने तक ही सीमित नहीं है; यह देखना भी महत्वपूर्ण है कि यात्री बीच में अपने घंटे कैसे बिताते हैं। भारत के विमानन उद्योग के लिए सबसे महत्वपूर्ण वृद्धि अब आसमान में नहीं, बल्कि जमीन पर है। गैर-टिकटिंग और गैर-विमानन राजस्व धाराएं इस क्षेत्र के सबसे मजबूत विकास इंजन बन गए हैं। लेकिन सीट अपग्रेड, लाउंज, प्रीमियम डाइनिंग, एडवरटाइ-जिंग, ब्रांडेड रिटेल और एक्सक्लूसिव एक्सपीरियंस जैसी अतिरिक्त सेवाओं के साथ मुनाफा बढ़ रहा है।चांगी और दुबई जैसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर, 40 से 50 प्रतिशत राजस्व गैर-टिकटिंग स्रोतों से आता है। भारत भी पीछे नहीं है। हवाई अड्डों और एयरलाइनों के राजस्व में सहायक सेवाओं का योगदान 25 से 35 प्रतिशत है। उद्योग के अनुमानों के अनुसार, डिजिटलीकरण और प्रीमियम अनुभवों की बढ़ती मांग इस बदलाव को तेज कर रही है। भारत में, यह बदलाव दो स्तरों पर हो रहा है: एयरलाइंस अपने सेवा नेटवर्क को टिकटिंग से परे सेवा पारिस्थितिकी तंत्र में बदल रही हैं, हवाई अड्डे खुदरा, खानपान और मीडिया के केंद्र बन रहे हैं। टाटा समूह एयर इंडिया में जो परिवर्तन कर रहा है, वह नए विमानों और नई ब्रांडिंग तक सीमित नहीं है। एयरला-इन यात्रियों की यात्रा के हर चरण का मुद्रीकरण करने के लिए एक मजबूत पूरक सेवा पोर्टफोलियो का निर्माण कर रही है। सहायक राजस्व वित्त वर्ष 2024 में 1,700 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 2,500 करोड़ रुपये हो गया है। कंपनी का लक्ष्य सीट अपग्रेड, अतिरिक्त सामान, किराया लॉक, यात्रा बीमा, उपहार कार्ड और वीएफएस ग्लोबल के 'वनवास्को वीजा कंसीयज' जैसी सेवाओं के माध्यम से इस राजस्व को तीन गुना करना है। अन्य सेवाएं जैसे प्राथमिकता चेक-इन, टैक्सी बुकिंग के लिए टाई-अप और टाटा एआईजी यात्रा बीमा को सुविधा को राजस्व में बदलने के लिए डिज़ाइन किया गया है। एयरलाइन के एक अधिकारी ने कहा, 'सीट चयन से लेकर टैक्सी बुकिंग तक, हर उत्पाद ब्रांड को यात्रियों की निर्णय लेने की प्रक्रिया में रखता है। इंडिगो के बड़े पैमाने पर लाभ से पता चलता है कि पूरक राजस्व वृद्धि कितनी दूर तक जा सकती है। वर्तमान में, निजी एयरलाइंस एयरलाइन की रणनीति का पालन कर रही हैं। गैर-विमानन राजस्व अब उनके व्यवसाय मॉडल का केंद्र बन गया है। दिल्ली और हैदराबाद हवाई अड्डों का संचालन करने वाले GMR हवाई अड्डों पर गैर-एयरो राजस्व वित्त वर्ष 2023-24 में 43 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 47 प्रतिशत और वित्त वर्ष 25-26 की दूसरी तिमाही में हो गया इसमें पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। खुदरा, शुल्क मुक्त उत्पादों की बिक्री, खाद्य और पेय (एफ एंड बी) और अन्य सेवाएं विकास का नेतृत्व कर रही हैं।

दरअसल पिछले ...

कमलेश पांडेय

विश्व आर्थिक मंच पर भारतीय ट्रेड कूटनीति के मायने

दावोस में चली विश्व आर्थिक मंच (WEF) की बैठक में भारत ने अपनी मजबूत कूटनीतिक और आर्थिक उपस्थिति दर्ज कराई है। यहां पर भारतीय ट्रेड कूटनीति ने जो पॉलिसी नैरेटिव सेट किए और ग्लोबल इमेज विकसित किया, वह यहां कई मायने में अहम है। सबसे बड़ी बात तो यह कि यहां पर भारत ने वैश्विक निवेशकों के सामने खुद को चीन का वैकल्पिक हब के रूप में प्रस्तुत किया और विकसित भारत होने का स्थायी नजरिया पेश किया। दरअसल, इस अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत ने जिस आर्थिक स्थिरता, वैश्विक लोकतंत्र और 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना पर बल दिया, उससे वैश्विक नीति-निर्धारण में इंडिया की भूमिका और अधिक मजबूत हुई। जब संयुक्त राष्ट्र संघ की कीमत पर अमेरिका नई विश्व व्यवस्था को बढ़ावा देने हेतु एक से बढ़कर एक जोखिम भरे दांव चल रहा हो, उस दौर में भी भारत की यह अहम उपस्थिति बहुत कुछ चुगली करती है क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत को उभरती हुई वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करने के मोदी सरकार के इरादे स्पष्ट हैं जिसे भरपूर दुनियावी समर्थन भी मिल रहा है। इसके अहम आर्थिक व कूटनीतिक मायने हैं। देखा जाए तो इस महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय बैठक में भारत के विभिन्न केंद्रीय मंत्रियों, कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों और प्रमुख उद्योगपतियों के बड़े प्रतिनिधिमंडल ने जिस तैयारी के साथ शिरकत की और निजी वैश्विक निवेश आकर्षित करने पर जोर दिया, उसका रणनीतिक महत्व है। इस दौरान देखा गया कि दावोस में भारत का प्रतिनिधिमंडल रेल, आईटी, ऊर्जा और उद्योग जैसे मंत्रालयों के मंत्रियों के साथ महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्र प्रदेश, असम, मध्य प्रदेश, तेलंगाना और झारखंड जैसे राज्यों के मुख्यमंत्रियों तक फैला हुआ था जबकि रिलायंस, टाटा, महिंद्रा, इंफोसिस जैसे अंतर्राष्ट्रीय कॉरपोरेट दिग्गजों की भागीदारी ने निजी क्षेत्र में भारत की अहम ताकत दिखाई। इससे नानाविध लाभ मिला और निवेश समझौते हुए, जैसे महाराष्ट्र के लिए हजारों करोड़ के एमओयू पर हस्ताक्षर होना। इससे दावोस में भारत पर चर्चा का केंद्र बना रहा। चर्चा भी वह कि क्या भारत मैन्युफैक्चरिंग और निवेश का नया हब बन सकता है, खासकर दिन ब दिन बदलते भू-राजनीतिक तनावों के बीच। सबसे खास बात यह कि वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF) के अध्यक्ष ने भारत को सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बताते हुए पीएम मोदी के सुधारों और ग्लोबल साउथ की आवाज की भरपूर सराहना की। इससे भारत-ईयू व्यापार समझौते पर भी सकारात्मक इनपुट के संकेत मिले। इस तरह से देखा जाए तो दावोस (WEF 2026) की मौजूदा बैठक से भारत को सीधे सीधे दो तरह के बड़े फायदे मिलते दिखाई दे रहे हैं– पहला, निवेश व व्यापार के ठोस मौके, और दूसरा, भारत की छवि व कूटनीतिक प्रभाव में बढ़त।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

राजेश कुमार पासी

मनरेगा में सुधार का विरोध अनावश्यक है

मोदी सरकार ने जब से मनरेगा का नाम बदलकर जी रामजी किया है, तब से कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल इसका विरोध कर रहे हैं। इसके विरोध में कांग्रेस ने 45 दिन का विरोध आंदोलन शुरू किया था जो कि अभी भी चल रहा है। तेलंगाना, पंजाब और कर्नाटक की विधानसभा में इसके खिलाफ प्रस्ताव भी पास किया गया है। केरल, बंगाल और तमिलनाडु में भी इसका जबरदस्त विरोध किया जा रहा है। विपक्षी दलों का सबसे पहला विरोध तो मनरेगा का नाम बदलने को लेकर ही है। उनका कहना है कि इस योजना से गाँधीजी का नाम क्यों हटाया गया है। इसके अलावा योजना के स्वरूप में बदलाव का भी विरोध किया जा रहा है जिसमें मोदी सरकार ने योजना को मांग आधारित से बदलकर आपूर्ति आधारित बना दिया है। अब इस योजना पर केंद्र सरकार का नियंत्रण ज्यादा हो गया है. इसके अलावा राज्यों पर भी वित्तीय बोझ डाला गया है। विपक्षी दल इसे राज्यों की स्वायत्तता पर हमला बता रहे हैं और उनका कहना है कि सरकार ने राज्यों पर वित्तीय बोझ लाद दिया है। कुछ राज्यों द्वारा इस योजना को अदालत में भी चुनौती देने की तैयारी की जा रही है। दूसरी तरफ केंद्र सरकार का कहना है कि उसने रोजगार गारंटी को 100 से 125 दिन कर दिया है। पहले इस योजना का सारा खर्च केंद्र सरकार द्वारा वहन किया जाता था, लेकिन अब राज्यों को भी 10-40 फीसदी बोझ सहन करना होगा। केंद्र सरकार का कहना है कि उसने ऐसा इसलिए किया है क्योंकि वो राज्यों की जवाबदेही तय करना चाहती है। केंद्र द्वारा सारा पैसा देने के कारण राज्य योजना पर ध्यान नहीं देते थे। सरकार ने बुवाई/कटाई के 60 दिनों के दौरान रोजगार पर रोक लगा दी है ताकि खेती के लिए मजदूर कम न पड़े। अब इस योजना में हर ग्रामीण परिवार को 125 दिन की वेतन आधारित गारंटी दी गयी है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस योजना को समग्र ग्रामीण विकास के साथ जोड़ा गया है। अब ये योजना सिर्फ पैसा बांटने तक सीमित नहीं रह गई है बल्कि इससे ग्रामीण इलाकों के विकास कार्यों को जोड़ा गया है। इस योजना के बारे में यह आम धारणा है कि इस योजना में सारे काम कागजों में किए जाते हैं, केंद्र सरकार इस धारणा को तोड़ना चाहती है। केंद्र सरकार चाहती है कि इस योजना के अंतर्गत किये गए कार्य धरातल पर दिखने चाहिए। सच तो यह है कि कागजों में काम होने की धारणा इसलिए बनी है क्योंकि इस योजना में किये गए काम धरातल पर दिखाई नहीं देते हैं । जब से मोदी सरकार सत्ता में आई है, उसकी हर योजना और कार्यों का विरोध करना विपक्षी दलों की आदत हो गई है। अगर मोदी सरकार ने सिर्फ योजना का नाम बदला होता तो कांग्रेस का विरोध जायज ठहराया जा सकता था लेकिन सरकार ने इस योजना में बड़े बदलाव किए हैं । ऐसा लगता है कि सरकार ने जानबूझकर कर योजना के नाम में बदलाव किया है, ताकि योजना की पहचान उसके साथ जुड़ जाए। कांग्रेस यह तो देख रही है कि केंद्र सरकार ने योजना से गांधी जी का नाम हटा दिया है लेकिन वो यह नहीं देख पा रही है कि अब योजना के साथ भगवान राम का नाम जोड़ दिया गया है। सच तो यह है कि भगवान राम ग्रामीण भारत के रग-रग में बसे हुए हैं, इसलिए मोदी सरकार ने इस योजना में राम का नाम जोड़ा है। कांग्रेस और दूसरे विपक्षी दलों को बताना चाहिए कि मोदी सरकार ने जो बदलाव किए हैं, क्या वो नहीं किये जाने चाहिए थे । ये योजना यूपीए सरकार द्वारा शुरू की गई थी, क्या आज कांग्रेस इस योजना में हुए भ्रष्टाचार की जिम्मेदारी ले सकती है।

बसंत पंचमी

ऋतुराज बसंत पंचमी के साथ -साथ विद्या की देवी मां सरस्वती का आगमन भी है। माँ सरस्वती अज्ञान के अंधकार को हराकर ज्ञान का प्रकाश जीवन में फैलाती है। वह सफेद कमलों का आसन धारण कर ,ज्ञान के शान्त सरोवर में शुभ्र वस्त्रों से सुसज्जित होकर हाथों में वीणा, पुस्तक एवं माला आदि धारण किए हुए अवतरित हुई थी। वासंती मनभावन वसंत ऋतु आई हैं। चहुँदिक हरियाली छाई है । माँ सरस्वती का यह रुप संगीत,ज्ञान, विवेक प्रदान कर मोह माया के अंधकार से सभी को निकालने में समर्थ हैं।हमको सरस्वती की कृपा दृष्टि होने पर सुर तथा स्वर की साधना प्राप्त होती है और लेखक, कवियों तथा कलाकारों आदि को रचना करने की प्रेरणा मिलती है । ज्ञान का प्रकाश दे , शब्दों का आकाश दे , माँ वीणां पाणीं मुझको अपना सदैव आशीर्वाद दे । सरस्वती का पुत्र कहाऊँ ऐसा मुझे माँ आपसे वरदान मिले । विद्यादायिनी शारदे का वरदहस्त, जीवन में सदा ज्ञान का संचार रहे । ज्ञान, प्रेम, सौंदर्य,सृजन का विकास आदि हर बसंत में तन - मन सँवार रहे। इन्हीं शुभ भावों में रत रह अप्रमत ज्योत की तरह बसंत पंचमी हमको सदैव आप्लावित करती रहें । वह पतझड़ के बाद मिलें नये जीवन में प्रकृति की आयी बहार हैं । मानों मधुमास आते ही प्रकृति अनुपम श्रृंगार करने लगी हैं । वह नवकुसुम खिल रहे पौधों पे चमन गुलज़ार हो रहा हैं । रंग बिरंगे फूलों से चारो ओर उपवन भरा हुआ है। तितलियां उड़ रही हैं और फूलों पर भंवरों का गुंजन हैं । सरसों , राई , गेहूँ आदि के खेत को देख मन प्रफुल्लित हुआ। कोयल की मीठी बोली मौसम की शोभा बढ़ाती हैं । बसंती हवा के झोंके से पूरे शरीर में ताजगी आती है। विद्या देवी माता सरस्वती की पूजा भी की जाती है।सभी ऋतु में श्रेष्ठ यह वसंत ऋतु प्रकृति हमें बताती है। प्रकृति के मुरझाए अधरों पर प्यार सा फूल खिला है, नव पल्लव नव कोपल से पौधों को जीवन मिला है। सूरज की गर्मी कम हुई यह हमको आनंद का कुछ पल मिला है, रंग रंगीले इस मौसम में प्रकृति से हमको बहुत कुछ मिला है। हर मन में नई उमंग छाई है। वसंती मनभावन वसंत ऋतु आई है। इन्हीं शुभ भावों से आज वसंत पंचमी को सभी के प्रति हार्दिक मंगलकामना ।

● प्रदीप छाजेड़

टी-20 वर्ल्डकप से बाहर होना लगभग तय, स्कॉटलैंड को शामिल करने की तैयारी में काउंसिल

आईसीसी की डेडलाइन तक बांग्लादेश ने जवाब नहीं दिया

नई दिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश टीम का टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर होना लगभग तय माना जा रहा है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) ने ICC की ओर से दी गई 24 घंटे की डेडलाइन के भीतर कोई आधिकारिक जवाब नहीं दिया। क्रिकबज के अनुसार, इसी वजह से इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) अब बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में शामिल करने की तैयारी कर रही है। बांग्लादेश बोर्ड ने पहले ही सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत में खेलने से इनकार कर दिया था। इसके बाद ICC ने गुरुवार को बोर्ड को एक दिन का अतिरिक्त समय दिया, लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं आया है। इससे ICC के सामने स्थिति साफ नहीं हो पाई है। इसके बाद बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या के कारण भारत में मुस्तफिजुर का विरोध होने लगा। अब तक वहां 7 हिंदुओं की हत्या कर दी गई है।

टी-20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश के ग्रुप स्टेज के मुकाबले कोलकाता और मुंबई में खेले जाने हैं।

हम वर्ल्ड कप खेलना चाहते हैं

बांग्लादेश सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने गुरुवार को नेशनल टीम के खिलाड़ियों के साथ आज ढाका में बैठक की। बैठक के बाद उन्होंने कहा, 'हम वर्ल्ड कप खेलना चाहते हैं, लेकिन भारत में हमारे खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ की सुरक्षा को लेकर चिंता अब भी बनी हुई है।' 16 दिसंबर को IPL मिनी ऑक्शन में कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) ने बांग्लादेशी गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को 9.20 करोड़ रुपए में खरीदा था।

बांग्लादेश ने भारत में खेलने से इनकार क्यों किया, जानिए 2 बड़ी वजह

1. बांग्लादेश में हिंदुओं की लगातार हो रही हत्याओं के विरोध में BCCI ने बांग्लादेशी पेसर मुस्तफिजुर रहमान को IPL से बाहर करवा दिया। BCB ने इसका विरोध किया।
2. मुस्तफिजुर को बाहर किए जाने को बांग्लादेश की राजनीतिक पार्टियों ने मुद्दा बना दिया। फिर यूनुस सरकार ने अपने देश में IPL प्रसारण पर बैन लगा दिया। इसके बाद क्रिकेट बोर्ड ने भारत में वर्ल्ड कप ना खेलने की मांग की जिसे ICC ने ठुकरा दिया।

पाकिस्तान ने समर्थन किया था, लेकिन बहिष्कार नहीं

एक दिन पहले बांग्लादेश को उम्मीद थी कि PCB उसके समर्थन में टूर्नामेंट का बहिष्कार करेगा। पाकिस्तानी बोर्ड ने ICC बोर्ड मीटिंग में सपोर्ट भी किया, हालांकि कुछ मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि पाकिस्तान अपने वर्ल्ड कप खेलने के फैसले पर फिर विचार कर सकता है। बाद में BCCI ने मुस्तफिजुर को IPL खेलने की अनुमति नहीं दी और 3 जनवरी को KKR ने उन्हें रिलीज कर दिया।

मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल से बाहर करने पर विवाद

बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या के कारण BCCI ने मुस्तफिजुर रहमान को IPL में खेलने की अनुमति नहीं दी है। उन्हें KKR ने 3 जनवरी को BCCI के कहने पर टीम से बाहर कर दिया था। इससे बौखलाई बांग्लादेश सरकार ने अपने यहां IPL मैचों के प्रसारण पर रोक लगा दी। इसके बाद खिलाड़ियों की सुरक्षा का हवाला देकर 7 फरवरी से होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में वेन्यू बदलने की मांग भी की।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले न्यूजीलैंड को बड़ा झटका, एडम मिलने टूर्नामेंट से बाहर

हैमस्ट्रिंग चोट के चलते बाहर हुए तेज गेंदबाज, काइल जैमिसन को टीम में मिली एंट्री

नई दिल्ली, एजेंसी

टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को करारा झटका लगा है। टीम के तेज गेंदबाज एडम मिलने हैमस्ट्रिंग में गंभीर चोट के चलते पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने उनकी जगह काइल जैमिसन को टीम में शामिल करने की पुष्टि कर दी है। एडम मिलने को यह चोट साउथ अफ्रीका की घरेलू टी20 लीग एसए20 के दौरान लगी थी। वह इस लीग में सनराइजर्स ईस्टर्न केप की ओर से खेल रहे थे। मेडिकल स्कैन में चोट गंभीर पाई गई, जिसके बाद उन्हें आगामी टी20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर कर दिया गया। न्यूजीलैंड के कोच रॉब वॉल्टर ने कहा, "यह हमारे लिए राहत की बात है कि काइल जैमिसन पहले से भारत में टीम के साथ मौजूद हैं। वह हमारी तेज गेंदबाजी के अहम सदस्य हैं और इस दौरे पर खेल भी चुके हैं। उनके पास अनुभव और अलग शैली है, जो टीम के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है।" उन्होंने यह भी बताया कि टी20 वर्ल्ड कप के लिए ट्रैवलिंग रिजर्व के रिप्लेसमेंट को लेकर जल्द ही फैसला लिया जाएगा। गौरतलब है कि न्यूजीलैंड को ग्रुप डी में यूएई, अफगानिस्तान, कनाडा और साउथ अफ्रीका के साथ रखा गया है। यह उनके लिए दुर्भाग्यपूर्ण समय है और टीम उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करती है।

काइल जैमिसन को मिला मौका

न्यूजीलैंड टीम प्रबंधन ने बताया कि काइल जैमिसन को एडम मिलने के रिप्लेसमेंट के तौर पर टी20 वर्ल्ड कप स्क्वाड में शामिल किया गया है। जैमिसन पहले से ही टीम के ट्रैवलिंग रिजर्व का हिस्सा थे। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में 7 फरवरी से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट में न्यूजीलैंड अपना पहला मुकाबला 8 फरवरी को अफगानिस्तान के खिलाफ खेलेगा। टीम प्रबंधन ने एडम मिलने की चोट पर दुख जताते हुए कहा कि उन्होंने टूर्नामेंट के लिए खुद को पूरी तरह तैयार करने के लिए कड़ी मेहनत की थी और एसए20 में आठ मैचों के दौरान बेहतरीन फॉर्म में नजर आए थे। यह उनके लिए दुर्भाग्यपूर्ण समय है और टीम उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करती है।

फास्ट न्यूज

ट्रम्प ने राष्ट्रपति पद का इस्तेमाल कर फैमिली बिजनेस बढ़ाया

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को दावोस में दावा किया कि वे अमेरिका को फिर से महान और अमीर बना रहे हैं। उन्होंने अपनी नीतियों और टैरिफ के कारण 16.48 लाख करोड़ रुपये के निवेश आने का दावा किया। वहीं 20 जनवरी को आई न्यूयॉर्क टाइम्स (NYT) की एक रिपोर्ट के मुताबिक, टैरिफ वॉर का बोझ अमेरिकी उपभोक्ताओं पर पड़ा।

वनतारा को ट्रिब्यूट वाली लग्जरी वॉच लॉन्च

नई दिल्ली। लग्जरी वॉचमेकर जैकब एंड कंपनी ने 21 जनवरी को अपनी नई वॉच 'ओपेरा वनतारा ग्रीन कैमो' लॉन्च की है। यह घड़ी गुजरात में अनंत अंबानी के वाइल्ड-लाइफ रेस्क्यू और कंजर्वेशन प्रोजेक्ट वनतारा को ट्रिब्यूट है। घड़ी के डायल पर अनंत अंबानी की छोटी मिनिएचर लगी है, जिसके साथ शेर और बंगाल टाइगर की सूक्ष्म आकृतियां लगाई गई हैं। घड़ी में ग्रीन कैमो मोटिफ के साथ 21.98 कैरेट के 397 कीमती स्टोन्स लगे हैं। इस घड़ी की सबसे बड़ी खासियत इसका डायल है, जो किसी थिएटर की तरह नजर आता है। इसमें हाथ से बनाई गई सूक्ष्म आकृतियां लगाई गई हैं। इसमें अनंत अंबानी नीली फ्लोरल शर्ट पहने बैठे हैं। उनके बगल में एक शेर और एक बंगाल टाइगर की सजीव दिखने वाली छोटी मूर्तियां हैं, जो वनतारा के इकोसिस्टम को दिखाती हैं।

पानीपत जिला कोर्ट में 'जियो' का नेटवर्क फेल

पानीपत। पानीपत जिला कोर्ट परिसर में मोबाइल नेटवर्क में आ रही दिक्कतों से परेशान वकीलों ने खुद कोर्ट में केस दायर कर दिया। टेलिकॉम कंपनी रिलायंस जियो के खिलाफ लोक अदालत में दायर याचिका में कंपनी के चेयरमैन आकाश अंबानी और मैनेजिंग डायरेक्टर ईशा अंबानी तक को पार्टी बनाया है। याचिका में वकीलों ने कहा कि उनके चैंबरों में रेंज नहीं आती। मुवक्किल से बात करने के लिए खुले मैदान में जाना पड़ता है।

लाइव कॉन्सर्ट में आग से बाल-बाल बचे रैपर हनुमानकाइंड

कोच्चि में परफॉर्मेंस के दौरान फ्लेमथ्रोअर की लपट बेहद करीब पहुंची

मुंबई, एजेंसी

केरल के कोच्चि में हाल ही में आयोजित रैपर हनुमानकाइंड के "होम रन" कॉन्सर्ट के दौरान वो आग से बाल-बाल बच गए। दरअसल, बोलगट्टी पैलेस एंड आइलैंड रिसॉर्ट में चल रहे हाई-एनर्जी परफॉर्मेंस के बीच स्टेज पर लगाए गए फ्लेमथ्रोअर इफेक्ट से अचानक आग की तेज लपट रैपर के बेहद करीब आ गई। हनुमानकाइंड ने तुरंत खुद को पीछे खींच लिया और इस तरह वो बच गए। यह घटना 18 जनवरी की है और इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। रैपर का यह वीडियो सामने आने के बाद उनके कई फैंस ने चिंता जताई कि कहीं हनुमानकाइंड को कोई गंभीर चोट तो नहीं लगी। हालांकि, रैपर ने खुद इस घटना पर प्रतिक्रिया देकर फैंस को राहत दी। जिस यूजर ने यह वीडियो पोस्ट किया था उसी पर कमेंट करते हुए हनुमानकाइंड ने लिखा, "मैं ठीक हूं, सब कुछ सही है फैमिली।" हनुमानकाइंड के गाने लगातार लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं और उनकी फैन फॉलोइंग तेजी से बढ़ रही है। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म धुरंधर के टाइटल ट्रैक में उनका रैप सॉन्ग लोगों के बीच काफी पसंद किया गया। हनुमानकाइंड, जिनका असली नाम सूरज चेरुकट है, 2024 में अपने हिट गाने "बिग डॉग्स" से अंतरराष्ट्रीय पहचान बना चुके हैं। यह गाना स्पॉटिफाई ग्लोबल वायरल 50 में नंबर-1 तक पहुंचा था।

हनुमानकाइंड गाना रन इट अप भी बहुत हिट हुआ और एशियन म्यूजिक चार्ट में टॉप पर रहा।

कैजुअल आउटफिट में मुंबई एयरपोर्ट पर दिखीं बेबो, सोशल मीडिया पर ट्रेंड हुआ वीडियो

काले चश्मे में करीना कपूर खान का स्टाइलिश अंदाज़

मुंबई, एजेंसी

बॉलीवुड की प्रसिद्ध एक्ट्रेस करीना कपूर खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'दायरा' को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। फिल्म की शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी है और वर्तमान में पोस्ट-प्रोडक्शन का काम चल रहा है। ऐसे में करीना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें वह मुंबई एयरपोर्ट पर बेहद स्टाइलिश अंदाज़ में नजर आ रही हैं। कई फैंस ने उन्हें 'क्वीन हैं बेबो' कहकर उनकी तारीफ की, वहीं कुछ ने लाल दिल और फायर इमोजी के साथ अपने प्यार का इज़हार किया। एक फैन ने तो सीधे सवाल किया, "कब रिलीज होगी आपकी फिल्म 'दायरा'?" 'दायरा' मेघना गुलजार द्वारा निर्देशित एक क्राइम-ड्रामा थ्रिलर फिल्म है।

फैंस की प्रतिक्रिया और सोशल मीडिया ट्रेंड

करीना के एयरपोर्ट लुक की फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। उनके फैशन सेंस और कैजुअल लुक को देखकर फैंस ने जमकर प्रतिक्रिया दी। कई फैंस ने उन्हें स्टाइल आइकन और फैशन क्वीन बताया। इस वीडियो को वायरल होते देर नहीं लगी और कई एंटरटेनमेंट पोर्टल्स ने इसे ट्रेंडिंग बताया। करीना कपूर खान की लोकप्रियता और उनके फैंस की दीवानगी इस बात का प्रमाण है कि चाहे एयरपोर्ट लुक हो या फिल्म का प्रमोशन, बेबो हमेशा अपने अंदाज़ और प्रतिभा से लोगों को मंत्रमुग्ध कर देती हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में करीना को ब्लू जींस और रेड स्वेटशर्ट में देखा जा सकता है। उन्होंने अपने कैजुअल लुक को ब्लैक सनग्लासेस से पूरा किया, जो उनके व्यक्तित्व को और भी आकर्षक बना रहा था। एयरपोर्ट पर उनके इस स्टाइलिश अंदाज़ को देखकर फैंस बेहद उत्साहित हो गए।

सदस्यता लेने पर विपक्ष बोला- जल्दबाजी में कदम उठाया, यह अमीरों का क्लब बन रहा

ट्रम्प के गाजा पीस बोर्ड को लेकर घिरे पाकिस्तानी पीएम

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने गुरुवार को दावोस में अमेरिका के 'बोर्ड ऑफ पीस' के चार्टर पर साइन किए हैं। इस बोर्ड को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की अगुवाई में गाजा में शांति कायम करने और फिर से बसाने के लिए बनाया गया है। पाकिस्तानी मीडिया डॉन के मुताबिक ऐसा करके शहबाज शरीफ अपने ही घर में घिर गए हैं। पाकिस्तान में विपक्षी पार्टियों ने उनके फैसले का विरोध किया है और इसे पाकिस्तान के लिहाज से गलत बताया है। प्रसिद्ध पत्रकार और लेखक जाहिद हुसैन ने कहा कि पाकिस्तान ने जल्दबाजी में यह कदम उठाया है। हुसैन ने कहा कि PM को दूसरों के फैसलों का इंतजार करना चाहिए था। उन्होंने इसे ट्रम्प की जोखिम भरी नीति का हिस्सा बताया और कहा कि यह बोर्ड यूनाइटेड नेशन (UN) के जैसा एक संगठन बन रहा है, जो वैश्विक व्यवस्था के लिए खतरा है। हुसैन ने कहा कि यह बस एक अमीरों का क्लब बन रहा है। उन्होंने इसे औपनिवेशिक परियोजना (किसी शक्तिशाली देश का दूसरे देश पर कब्जा) बताया और कहा कि बोर्ड का चार्टर ट्रम्प को अत्यधिक शक्तियां देता है।

संसद में विपक्षी नेता अल्लामा राजा नासिर अब्बास ने एक्स पर पोस्ट कर इसे नैतिक रूप से गलत और अस्वीकार्य बताया। उन्होंने कहा कि यह बोर्ड फिलिस्तीनियों से उनका अधिकार छीन रहा है। यह फिलिस्तीनियों के आत्मनिर्णय के अधिकार को कमजोर करेगा और यूएन को हाशिए पर धकेलने की कोशिश है।

ट्रम्प ने स्विट्जरलैंड के दावोस में बोर्ड ऑफ पीस लॉन्च किया। ट्रम्प ने इस बोर्ड के चार्टर पर साइन किए।

ट्रम्प की गुड बुक्स में रहने के लिए गाजा पीस बोर्ड से जुड़ा पाकिस्तान

लेखक हुसैन ने चिंता जताई कि पाकिस्तान ट्रम्प की गुड बुक्स में रहने के लिए उनकी नीतियों का पालन कर रहा है। एक जिम्मेदार देश की विदेश नीति ऐसी नहीं होती। बोर्ड में इजराइल और अब्राहम समझौते करने वाले देश शामिल हैं, लेकिन फिलिस्तीनियों का कोई प्रतिनिधित्व नहीं है। उन्होंने इसे 'विनाशकारी कदम' करार दिया।

हिटलर के बाद सबसे ताकतवर सेना बनाने में जुटा जर्मनी

युवाओं को ₹2.5 लाख महीने का ऑफर, ट्रम्प का धोखा और पुतिन से डर इसकी वजह

बर्लिन, एजेंसी

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जर्मनी ने लंबे समय तक सैन्य ताकत से दूरी बनाए रखी, लेकिन अब उसने सेना पर खर्च बढ़ा दिया है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक जर्मन सरकार यूरोप की सबसे ताकतवर सेना बनाने के मिशन पर निकल चुकी है। युवाओं को सेना में लाने के लिए करीब 2.5 लाख महीने तक का ऑफर दिया जा रहा है। रूस के बढ़ते खतरे और ट्रम्प के दौर में अमेरिका से टूटते भरोसे ने जर्मनी को यह एहसास दिला दिया है कि अब अपनी सुरक्षा की जिम्मेदारी उसे खुद ही उठानी होगी। जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज मई 2025 में एक सैन्य समारोह में सैनिकों का हौसला बढ़ाने के लिए पहुंचे थे। रिपोर्ट के मुताबिक इस साल की शुरुआत से ही जर्मनी में 18 साल के लड़कों को एक जरूरी फॉर्म भेजा जा रहा है। इसमें उनसे पूछा जा रहा है कि वे सेना में जाने के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से कितने सक्षम हैं। यह नियम पिछले महीने पास हुए एक नए कानून के बाद लागू किया गया है। वहां पर सेना में भर्ती होना स्वैच्छिक (इच्छा से) है, लेकिन नया कानून सरकार को यह अधिकार देता है कि अगर जरूरत पड़ी तो जरूरी सैन्य सेवा भी लागू की जा सकती है। सरकार का मकसद यूरोप की सबसे ताकतवर सेना बनाना है, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली बार होगा। जर्मन सेना (बुंडेसवेयर) में पिछले साल नवंबर तक एक्टिव आर्मी की संख्या 1 लाख 84 हजार थी। मई से नवंबर 2025 के बीच इसमें 25,000 का इजाफा किया गया। मई में ही चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने संसद से कहा था कि जर्मन सेना को 'यूरोप की सबसे मजबूत सेना' बनना होगा। बुंडेसवेयर के सैन्य इतिहासकार टीमो ग्राफ ने अल जजीरा से कहा कि बहुत लंबे समय के बाद सेना इतनी बड़ी हुई है। सरकार युवाओं को 23 महीने की अनिवार्य सेवा के लिए आकर्षक प्रस्ताव दे रही है। इसमें अच्छी तनख्वाह और कई सुविधाएं शामिल हैं। वेतन 2,600 यूरो (करीब 2.5 लाख रुपए) है।

जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज मई 2025 में एक सैन्य समारोह में सैनिकों का हौसला बढ़ाने के लिए पहुंचे थे।

बढ़त : 23 दिन में ₹22 हजार महंगा हुआ, चांदी ₹19,249 बढ़कर 3.19 लाख/किलो हुई

सोना ₹4300 बढ़कर ₹1.55 लाख के ऑल टाइम हाई पर

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने के दाम आज यानी 23 जनवरी को ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार सोना 4,300 रुपए बढ़कर 1,55,428 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है।इससे पहले ये 1,51,128 रुपए पर था। वहीं, 1 किलो चांदी 19,249 रुपए बढ़कर 3,18,960 रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले गुरुवार को ये 2,99,711 रुपए पर थी। इस साल सिर्फ 23 दिनों में सोना 22,233 रुपए और चांदी 88,540 रुपए महंगी हो चुकी है। रिसर्च हेड डॉ रेनिशा चैनानी के अनुसार, अगर अमेरिकी टैरिफ और मध्य पूर्व में तनाव और बढ़ता है, तो सोना 2026 में 1,90,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं चांदी 4 लाख रुपए तक जा सकती है। पिछले साल यानी 2025 में सोने की कीमत 57,033 रुपए (75%) बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1,33,195 रुपए हो गया। चांदी का भाव भी इस दौरान 1,44,403 रुपए (167%) बढ़ा। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो इस साल के आखिरी दिन 2,30,420 रुपए प्रति किलो हो गई।

सोने में तेजी के 3 बड़े कारण

1. ग्लोबल टेंशन और 'ग्रीनलैंड' विवाद: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की जिद और इस मुद्दे पर यूरोपीय देशों को टैरिफ की धमकी ने वैश्विक बाजारों बाजारों अस्थिरता बढ़ गई है। जब भी दुनिया में ट्रेड वॉर का खतरा बढ़ता है, निवेशक शेयर बाजार से पैसा निकालकर सुरक्षित निवेश यानी सोने की ओर भागते हैं।

2. रुपए की रिकॉर्ड कमजोरी : भारत में सोने की कीमत केवल वैश्विक दरों पर नहीं, बल्कि डॉलर-रुपया एक्सचेंज रेट पर भी निर्भर करती है। आज रुपया डॉलर के मुकाबले 91.10 के ऑल-टाइम लो पर है। LKP सिक्योरिटीज के जतिन त्रिवेदी के अनुसार, रुपए की कमजोरी की वजह से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खरीदे जाने वाले सोने की लैंडिंग कॉस्ट भारत में बहुत महंगी हो गई है, जिससे घरेलू बाजार में कीमतें 1.5 लाख के पार निकल गईं।

3. सेंट्रल बैंकों की भारी खरीदारी: दुनिया भर के केंद्रीय बैंक (जैसे भारत का RBI) अपने विदेशी मुद्रा भंडार को सुरक्षित रखने के लिए सोने का स्टॉक बढ़ा रहे हैं। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों के अनुसार, 2025 में रिकॉर्ड खरीदारी के बाद 2026 की शुरुआत में भी सेंट्रल बैंकों की मांग मजबूत बनी हुई है, जिससे सप्लाई कम और डिमांड ज्यादा होने के कारण कीमतें बढ़ रही हैं।

5 साल के बच्चे को हिरासत में लिया

स्कूल से लौटते समय गाड़ी से उतारा, फिर पिता गिरफ्तार, दोनों को डिटेंशन सेंटर भेजा

- अमेरिका के मिनेसोटा में अप्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई के तहत 5 साल के लियाम को डिटेन किया।
- 5 साल के लियाम को टेक्सास के इमिग्रेशन डिटेंशन सेंटर में रखा गया है।

मिनेसोटा, एजेंसी

अमेरिका के मिनेसोटा स्टेट के कोलंबिया हाइट्स में मंगलवार को इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट (ICE) एजेंट्स ने एक 5 साल के बच्चे लियाम कोनेजो रामोस को पिता के साथ हिरासत में लिया। BBC के मुताबिक दोनों को टेक्सास के इमिग्रेशन डिटेंशन सेंटर भेजा गया है। लियाम की स्कूल सुपरिंटेंडेंट जेना स्टेनविक ने बताया, 'एजेंट्स ने चलती गाड़ी से बच्चे को उतारा। फिर उन्होंने उसे घर का दरवाजा खटखटाने को कहा, ताकि पता चले कि अंदर कोई है या नहीं।' जेना ने इसे 5 साल के बच्चे का इस्तेमाल करना बताया। गिरफ्तारी के डर से पिता ने मां को दरवाजा खोलने से मना किया। हालांकि कुछ देर बाद माता-पिता ने अपने बच्चे को घर के अंदर लाने की मंशा से दरवाजा खोला, तभी बाहर मौजूद एजेंट्स ने पिता को गिरफ्तार किया। वहीं बच्चे को घर में मौजूद दूसरे लोगों को सौंपने से इनकार कर उसे भी अपने साथ ले गए। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने मिनियापोलिस लीडर्स से मुलाकात के दौरान घटना पर बात की। उन्होंने कहा, 'बच्चा सिर्फ डिटेन हुआ है, गिरफ्तार नहीं।' वेंस ने कहा कि एजेंट्स बच्चे को ठंड में छोड़ नहीं सकते थे और गैर-कानूनी व्यक्ति को गिरफ्तार करना जरूरी है। लियाम अपने स्कूल जिले का चौथा छात्र है, जिसे ICE ने हिरासत में लिया है। स्कूल अधिकारियों और परिवार के वकील के मुताबिक परिवार 2024 में इक्वाडोर से अमेरिका आया था। उन पर शरण संबंधी केस चल रहा है, लेकिन उन्हें देश छोड़ने का कोई आदेश नहीं था। यूएस कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन के अधिकारी के मुताबिक पिछले 6 हफ्तों में यहां करीब 3,000 गिरफ्तारियां हुई हैं। चिल्ड्रेंस राइट्स की लीशिया वेल्च ने डिटेंशन सेंटर का दौरा किया। उन्होंने कहा कि वहां बच्चे बढ़ गए हैं। कई बच्चे 100 दिनों से ज्यादा समय से डिटेन हैं। दिसंबर में अमेरिकी सरकार ने माना था कि करीब 400 बच्चों को हिरासत में लिया गया। इनमें ज्यादातर बच्चे बीमार, कुपोषित और गंभीर तकलीफ में हैं। होमलैंड सिक्योरिटी की प्रवक्ता ट्रिशिया मैकलॉफलिन ने गुरुवार को ऑनलाइन बयान में कहा कि पिता ने खुद बच्चे को अपने साथ रखने की इच्छा जताई थी। उनके अनुसार, पिता और बच्चा दोनों इस समय टेक्सास के डिली स्थित इमिग्रेशन डिटेंशन सेंटर में साथ हैं। स्कूल अधिकारियों ने बताया कि परिवार 2024 में अमेरिका आया था और उनका असाइलम केस अभी एक्टिव है। उन्हें देश छोड़ने का कोई आदेश नहीं दिया गया था।

सेंसेक्स में 700 अंक की गिरावट

मुंबई। शेयर मार्केट में आज यानी 23 जनवरी को गिरावट देखने को मिल रही है। सेंसेक्स 700 अंक से ज्यादा की गिरावट के साथ 81,550 पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी करीब 250 अंक की गिरावट है, 25,050 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। आज बैंकिंग, एजर्नी और FMCG शेयर्स में बिकवाली है। बाजार एक्सपर्ट्स का मानना है कि आने वाले दिनों में भी उतार-चढ़ाव बना रहेगा। 1 फरवरी को पेश होने वाले बजट से पहले बाजार किसी बड़े ट्रेंड को पकड़ने की कोशिश कर रहा है। तकनीकी जानकारों के मुताबिक, निफ्टी के लिए 25,000 का स्तर एक मजबूत सपोर्ट है। अगर बाजार इसके नीचे जाता है, तो गिरावट और बढ़ सकती है। निवेशकों को फिलहाल संभलकर रहने और चुनिंदा लार्ज-कैप शेयरों में ही निवेश की सलाह दी जा रही है। इससे पहले कल यानी 22 जनवरी को शेयर बाजार में तेजी रही थी। सेंसेक्स सेंसेक्स 398 अंक चढ़कर 82,307 पर बंद हुआ था। निफ्टी में भी 132 अंक की तेजी रही थी। ये 25,290 के स्तर के पर बंद हुआ था।

बहन की शादी से 14 दिन पहले भाई की हत्या

दोस्तों ने ईंट से सिर कूचा, नहर किनारे शव फेंका

तमसा संकेत, एजेंसी

मोहनलालगंज। लखनऊ में एक युवक की हत्या कर दी गई। उसका शव नहर किनारे मिला। मौके पर भारी भीड़ जुट गई। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। 2 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। घटना आज सुबह नगराम थाना क्षेत्र के गुलाल खेड़ा गांव की है। मृतक की पहचान स्थानीय निवासी ओम प्रकाश (22) पुत्र राम हरख के रूप में हुई। पुलिस की प्रारंभिक जांच में आया है कि ईंट से सिर कूचकर युवक की हत्या की गई है। ADCP साउथ रल्ला पल्ली वसंथ कुमार ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। संदिग्धों से पूछताछ हो रही है। फॉरेंसिक टीम ने भी साक्ष्य जुटाए हैं। परिजनों के अनुसार, ओम प्रकाश 22 जनवरी की रात 8 बजे घर से निकला था। रात में वह वापस

ओम प्रकाश, मृतक

- ओम प्रकाश की हत्या करने की सूचना मिलने पर मौके पर भारी भीड़ जुट गई।
- पुलिस अफसरों ने मौके पर पहुंचकर छानबीन की।

नहीं लौटा। आज सुबह परिजनों द्वारा तलाश किए जाने पर नहर के किनारे उसका शव मिला। पुलिस का कहना है कि मौके से शराब की बोतल और पाउच मिले हैं। शुरूआती जांच में आ रहा है कि ओम प्रकाश को किसी करीबी दोस्त ने बुलाया। खाने-पीने के दौरान किसी बात को लेकर विवाद हुआ। उसके बाद ओम प्रकाश की हत्या कर दी गई। दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

शादी की खुशियां मातम में बदलीं

ओम प्रकाश के परिवार में मां गीता देवी, भाई फूलचंद्र (17), धर्मराज (15) और बहन कोमल (20) हैं। कोमल की शादी तय है। 6 फरवरी को उसकी बारात आनी है। घर में शादी की तैयारियां चल रही थीं। ओम प्रकाश की हत्या हो जाने पर शादी की खुशियां गम में बदल गईं। मां गीता देवी और पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी घटना के बाद शोक का माहौल है। ओम प्रकाश के पिता राम हरख की करीब डेढ़ साल पहले मौत हो चुकी है।

ओम प्रकाश का शव नहर किनारे मिला। उसका सिर ईंट से कूचा गया था।

शराब पार्टी के बाद हत्या की आशंका

ओम प्रकाश का शव नहर के किनारे मिला। पास में ही ईंटों से बना चूल्हा था। उसमें राख भरी थी। इससे पुलिस मान रही है कि चूल्हे पर कुछ बनाकर खाया गया था। यह भी सामने आ रहा है कि ओम प्रकाश ने रात में गांव के ही कुछ लोगों के साथ शराब पार्टी की थी। उसका सिर कूचा हुआ था। पूरा चेहरा खून से लथपथ था। आसपास खून बिखरा था। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई।

66 बताया जा रहा है कि ओम प्रकाश घटना से पहले गांव में स्थित एक अंडा रोल की दुकान पर कुछ लोगों के साथ खा-पी रहा था। इसी दौरान किसी बात को लेकर उसका आपस में विवाद हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने इसे शराब के नशे में हुआ मामूली झगड़ा समझकर नजरअंदाज कर दिया। देर रात तक ओम प्रकाश के घर न लौटने पर परिजन परेशान गए। शुक्रवार सुबह उसकी तलाश शुरु की गई। खोजबीन के दौरान इंदिरा नहर की पटरी पर एक चप्पल पड़ी मिली, जिससे अनहोनी की आशंका हुई।

जनसुनवाई में घूस की बात सुन मंत्री ने दिखाए सख्त तेवर, दोषियों पर गिरी गाज

लाइनमैन की सेवा समाप्त, जेई निलंबित, एसडीओ और अधिशासी अभियंता से मांगा गया स्पष्टीकरण

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए के शर्मा ने गुरुवार को लखनऊ स्थित अपने आवास पर आयोजित जनसुनवाई के दौरान विद्युत विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार के एक गंभीर मामले पर अत्यंत सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट संदेश दिया। इसका नतीजा रहा कि शुक्रवार को एक लाइनमैन की सेवा समाप्त कर दी गई, वहीं जेई को निलंबित किया गया। इसी के साथ दो अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। मंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में घूसखोरी, लापरवाही और जनता को परेशान करने वालों के लिए कोई जगह नहीं है। जनसुनवाई के दौरान अमरोहा जनपद के नौगांव सादात निवासी शिकायतकर्ता मोहम्मद यूसा, पुत्र श्री कासिम ने विद्युत संयोजन देने के नाम पर रिश्वत मांगने तथा जानबूझकर कार्य में टालमटोल किए जाने की शिकायत मंत्री के समक्ष रखी, जिसे मंत्री श्री शर्मा ने अत्यंत गंभीरता से लिया। मंत्री श्री ए के शर्मा ने मामले को संज्ञान में लेते हुए तत्काल

पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री रवीश गुप्ता से फोन पर वार्ता की और दोषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई के स्पष्ट निर्देश दिए। मंत्री के सख्त तेवरों और जीरो टॉलरेंस नीति का असर यह रहा कि विभाग बिना विलंब किए तुरंत हरकत में आया और देर रात तक कार्रवाई करते हुए दोषियों पर गाज गिराई गई। मंत्री के निर्देश के क्रम में कनिष्ठ अभियंता (जेई) राजीव सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया, वहीं लाइनमैन अब्बास की सेवा समाप्त कर दी गई। इसके साथ ही एसडीओ रितेश प्रसाद एवं अधिशासी अभियंता राहुल निगम को नियम-10 के अंतर्गत स्पष्टीकरण जारी करते हुए संतोषजनक जवाब न मिलने की स्थिति में विभागीय कार्यवाही किए जाने की संस्तुति की गई है। इस कार्रवाई को लेकर ऊर्जा मंत्री श्री ए के शर्मा ने दो टूक शब्दों में कहा कि ऊर्जा विभाग जनता की सेवा के लिए है, न कि जनता से अवैध वसूली के लिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो भी अधिकारी या कर्मचारी अपने पद का दुरुपयोग कर आम नागरिकों को परेशान करेगा, उसके खिलाफ बिना किसी दबाव या भेदभाव के कठोर कार्रवाई की जाएगी। मंत्री श्री शर्मा ने आगे कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ उनकी नीति पूरी तरह जीरो टॉलरेंस की है और जनसुनवाई के माध्यम से आने वाली प्रत्येक शिकायत पर त्वरित और निर्णायक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि शासन की मंशा के विपरीत कार्य करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा और भविष्य में भी ऐसी कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

फास्ट न्यूज

13 दिन से लापता युवक की मौत

लखनऊ। लखनऊ के नीलमथा क्षेत्र से लापता युवक का शव नाले में मिला। मृतक 13 दिन से लापता था। परिजनों ने कैंट थाने में गुमशुदगी दर्ज करवाई थी। बीती रात स्थानीय लोगों ने नाले में एक शव पड़ा होने की सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने मृतक की पहचान की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

बीएमडब्ल्यू की सर्विस कराने आए युवक को पीटा

लखनऊ। लखनऊ के गोमतीनगर विस्तार थाना क्षेत्र में कार सर्विस सेंटर पर दबंगों ने युवक पर हमला कर दिया। लाठी-डंडों से की गई पिटाई में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोपी घटना को अंजाम देने के बाद हवा में असलहा लहराते हुए जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। घायल का ट्रॉमा सेंटर में इलाज चल रहा है। पीड़ित के भाई ने गोमती नगर विस्तार थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। रायबरेली के लालगंज थाना क्षेत्र निवासी अजय सिंह मंगलवार को अपनी BMW कार की सर्विस कराने मैंगो गार्डेन सेक्टर-4 स्थित सुमन मेडिकल के पास कार मैडिक्स सर्विस सेंटर पहुंचे। शाम करीब 4 बजे अंकित सिंह, अमित सिंह और नितिन दीक्षित अपने 3–4 अज्ञात साथियों के साथ वहां पहुंचे। अचानक अजय सिंह पर हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने लाठी-डंडों से बेरहमी से पिटाई की।

पिता के 45वें जन्मदिन पर बेटे के हत्यारों को सजा

कानपुर। आज मेरा 45वां जन्मदिन है, यह दिन मैं अपनी जिंदगी में कभी नहीं भूल पाऊंगा आज मेरे बेटे के हत्यारों को अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई है, वास्तविक रूप से आज उसकी आत्मा को शांति मिली है। मुझे अच्छी तरह याद है 22 जनवरी 2023 को अपना वो बर्थडे, जिसमें प्रभात ने मेरे लिए भजन गया था और कहा था कि–पापा मैं बड़ा होकर आपको फॉर्च्यूनर गिफ्ट करूंगा।वो हर बर्थडे पर मुझे गले लगाकर विश करता था।

केजीएमयू में प्रसाद के लिए 500 मीटर लंबी लाइन

चंद्रिका देवी मंदिर से लायी गई मां की ज्योति, डिप्टी सीएम ने की पूजा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (KGMU) में वसंत पंचमी के अवसर पर मां सरस्वती का पूजन हुआ। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने पूजा-अर्चना करके वसंतोत्सव का शुभारंभ किया। प्रसाद के लिए करीब 500 मीटर लंबी लाइन लगी। KGMU में यह 114वां वसंतोत्सव है। सवा तीन सौ से अधिक मेडिकोज ने मंदिर परिसर के पार्क को फूलों से सजाया। फूलों से रंगोली बनाई। पार्क में सेल्फी प्वाइंट बनाया। गुरुवार शाम से ही सजावट का काम शुरू हो गया था। MBBS 2024 बैच के स्टूडेंट दीपक ने बताया कि मां सरस्वती के पूजन के लिए चंद्रिका देवी मंदिर से मां की विशेष ज्योति लाई गई है। ऐसी मान्यता है कि वहां से ज्योति लाकर ही मां का पूजन और अर्चना हर साल होता है। उस परिपाटी को हमने भी आगे बढ़ाया है। KGMU में मां सरस्वती की पूजा वसंत पंचमी के अवसर

पर सालों से होती आ रही है। इस साल 114वां वसंतोत्सव है। प्रवक्ता डॉ. सुधीर सिंह ने बताया कि पूजा की तैयारी के लिए सभी का पूरा सहयोग रहता है। इस साल 2024 बैच स्टूडेंट्स को मुख्य जिम्मेदारी सौंपी गई है। डॉ. अमिय अग्रवाल ने बताया कि वसंत पंचमी से ही मौसम में बदलाव होता है। ये सुखद पर्व सालों से यहां मनाया जाता है। मां शारदा से जुड़ा ये उत्सव हमे ये संदेश देता है कि हम शुचिता पूर्ण जीवन जीएं और ज्ञान अर्जित करें। सोनल जायसवाल ने बताया कि इस पूजन के लिए हमने ही फंड जुटाए हैं।

केजीएमयू से हटेंगे अवैध मजार

नोटिस चस्पा, 7 से 15 दिन में खुद से हटाने का निर्देश

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (KGMU) स्थित अवैध मजारों को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। शुक्रवार को विश्वविद्यालय प्रशासन ने चिह्नित अवैध मजारों को हटाने के निर्देश जारी करते हुए नोटिस चस्पा कर दिया है। नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि तय समय सीमा के भीतर मजारें नहीं हटाई गईं तो प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। KGMU प्रशासन की ओर से अवैध रूप से बनी मजारों पर सीधे नोटिस चस्पा किए गए हैं। नोटिस में कहा गया है कि ये मजार विश्वविद्यालय परिसर की भूमि पर बिना किसी वैध अनुमति के बनाई गई हैं। प्रशासन ने इसे संस्थान की संपत्ति पर अतिक्रमण मानते हुए हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। कुछ नोटिसों में मजार हटाने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया है, जबकि कुछ मामलों में अधिकतम 15 दिन की अवधि निर्धारित की गई है। तय समय सीमा के भीतर

स्वयं हटाने को कहा गया है, अन्यथा प्रशासन बलपूर्वक कार्रवाई करेगा। यह पहला मौका नहीं है जब KGMU परिसर में अवैध निर्माण को लेकर सवाल उठे हों। इससे पहले भी कैंपस में अतिक्रमण और अनधिकृत ढांचों को लेकर आंतरिक स्तर पर रिपोर्ट तैयार की गई थी, जिसके आधार पर अब यह कार्रवाई शुरू की गई है। मजार हटाने की प्रक्रिया को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन और स्थानीय पुलिस सतर्क है। किसी भी तरह की

66 केजीएमयू प्रशासन का कहना है कि विश्वविद्यालय एक शैक्षणिक और चिकित्सकीय संस्थान है, जहां नियमों के तहत ही किसी भी प्रकार की संरचना की अनुमति दी जा सकती है। अवैध निर्माण न केवल संस्थान की गरिमा के खिलाफ हैं, बल्कि सुरक्षा और संचालन व्यवस्था को भी प्रभावित करते हैं।

अव्यवस्था से निपटने के लिए सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन का कहना है कि पूरी कार्रवाई कानून के दायरे में और शांतिपूर्ण ढंग से की जाएगी।

डायमंड शोरूम में 2 करोड़ की चोरी

दीवार में एक फीट का छेद किया, दरवाजा तोड़ा

तमसा संकेत, एजेंसी

सहारनपुर। सहारनपुर में एक डायमंड शोरूम में बड़ी चोरी हुई। चोरों ने गुरुवार देर रात टाटा कंपनी की फेमस डायमंड फ्रेंचाइजी 'कैरटलेन' को निशाना बनाया। 2 लाख कैश और करोड़ों रुपए के गहने चुराकर भाग गए। घटना की जानकारी शुक्रवार सुबह 7 बजे हुई। शोरूम के ठीक बगल में बनी सैनेटरी शॉप वाले ने इसकी जानकारी दी। सूचना पर पहुंची पुलिस और स्टाफ को शोरूम की दीवार टूटी हुई मिली। चोरी के तरीके को लेकर पुलिस का शक किसी ऐसे व्यक्ति पर है, जो शोरूम से बखूबी परिचित हो। क्योंकि,अंदर लगे सभी 20 सीसीटीवी बंद मिले। चोरी के लिए दीवार में छेद भी डीवीआर के ठीक बगल में किया

गया। जिससे एंट्री करते ही पॉइंट को ऑफ किया जा सके। चोरों ने बिल्डिंग की छत से शोरूम में एंट्री का रास्ता चुना। चोरी के समय शोरूम में 5 करोड़ की ज्वैलरी मौजूद थी। चोर करीब 2 करोड़ की कीमत के 4 नेकलेस चुरा ले गए। घटना थाना बाजार सदर क्षेत्र में DIG ऑफिस से 100 मीटर की दूरी पर हुई। देशभर में कैरटलेन के 170 शोरूम है। ये शोरूम डेढ़ साल पहले खुला है।

मुख्य सचिव एस.पी. गोयल ने प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा की

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के मुख्य सचिव श्री एस.पी.गोयल की अध्यक्षता में आयोजित प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप (पीएमजी) की बैठक में महत्वपूर्ण परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। अपने संबोधन में मुख्य सचिव श्री एस.पी. गोयल ने कहा कि मेजर ध्यानचंद राज्य खेल विश्वविद्यालय, मेरठ में पॉकेट-1 के निर्माण कार्यों को हर हाल में 31 मार्च, 2026 तक पूर्ण कराया जाए। लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता (एक्सईएन) को निर्देश दिए गए कि वे इस परियोजना की प्रतिदिन समीक्षा करें तथा समय-समय पर स्थल निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति एवं निर्माण की गुणवत्ता सुनिश्चित करें। आवश्यकता पड़ने पर श्रमिकों की संख्या बढ़ाई जाए ताकि निर्धारित समय-सीमा का पालन हो सके। उन्होंने पॉकेट-2 के कार्यों में तेजी लाते हुए इन्हें 31 अगस्त, 2026 तक पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए गए। निर्माण कार्यों के साथ-साथ विश्वविद्यालय के सुचारु संचालन हेतु आवश्यक पदों के सृजन, फर्नीचर एवं अन्य सुविधाओं की व्यवस्था भी शीघ्र सुनिश्चित की जाए। उन्होंने आगे कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रदेश में खेल संस्कृति को मजबूत करने एवं युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सभी मंडलों में अत्याधुनिक स्पोर्ट्स कॉलेज एवं एक्सीलेंस सेंटर स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं। आगामी बजट में स्पोर्ट्स कॉलेजों के निर्माण हेतु पर्याप्त बजट का प्रावधान कराया जाए। इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, गोरखपुर के निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने नोडल अधिकारी को निर्देश दिए कि वे प्रतिसप्ताह बैठक आयोजित कर कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता एवं समयबद्धता की सतत निगरानी करें। स्टेडियम के संचालन से संबंधित सभी पैरामीटर अभी से निर्धारित कर लिए जाएं ताकि भविष्य में कोई असुविधा न हो। म्यूजियम आफ इंडियन टेम्पल आर्किटेक्चर-अयोध्या की समीक्षा के दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि म्यूजियम के निर्माण कार्य के साथ-साथ अप्रोच रोड, स्ट्रीट लाइटिंग एवं अन्य आवश्यक अवसंरचना सुविधाओं का विकास भी समानांतर रूप से कराया जाए ताकि पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं को बेहतर अनुभव प्राप्त हो सके। उन्होंने कलेक्ट्रेट, गोरखपुर के ब्लॉक-ए का निर्माण कार्य निर्धारित तिथि 30 अगस्त, 2026 तक पूर्ण कराए जाने के निर्देश दिए। माइलस्टोन की प्राप्ति हेतु सतत अनुश्रवण करने तथा कार्यस्थल पर मैनपावर बढ़ाने पर विशेष बल दिया गया। महात्मा बुद्ध यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, कुशीनगर की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि परियोजना का कार्य निर्धारित माइलस्टोन से पीछे चल रहा है, उन्होंने निर्देश दिए कि आवासीय भवनों को छोड़कर समस्त निर्माण कार्य 31 अक्टूबर, 2026 तक पूर्ण कराया जाए। कार्यस्थल पर यदि कोई अवरोध उत्पन्न हो रहा है।

हवाला : पुलिसवाले नोट गिनते-गिनते थके, मशीन मंगानी पड़ी, 5 गिरफ्तार

2 करोड़ कैश, 62 केजी चांदी मिली

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर पुलिस को एक घर से 2 करोड़ कैश और 62 किलो चांदी मिली है। पुलिसवालों ने नोट गिनने शुरू किए तो उनके पसीने छूट गए। फिर मशीन मंगाकर नोटों की गिनती शुरू की। करीब 4 घंटे तक नोटों की गिनती हुई। दरअसल, पुलिस ने देर रात कलक्टरगंज इलाके में एक घर पर रात 9 बजे छापा मारा। पुलिस का दावा है कि घर से इंटरनेशनल सट्टा और हवाला नेटवर्क चलाया जा रहा था। 5 लोगों को गिरफ्तार किया। उनके पास से नेपाली करेंसी बरामद हुई। पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल मौके पर जांच पड़ताल करने पहुंचे। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर गैंग के बारे में जानकारी जुटा रही है। छापेमारी कलक्टरगंज के धनकुट्टी मोहल्ले में की गई। पुलिस घर को चारों ओर से घेरकर अंदर पहुंचीं। कमरे में

कार्टन में भरकर 500-500 रुपए की गड्डियां रखी गईं थीं। इसमें 1.80 करोड़ के 500 रुपए के नोट थे। बाकी 200 और 100 की गड्डियां थीं। इसके अलावा, 62 किलो चांदी मिली। पुलिस ने इसका सोर्स पूछा तो आरोपी जवाब नहीं दे पाए। आरोपियों के पास पेन ड्राइव, मॉडम, कम्प्यूटर, लैपटॉप बरामद किए गए। पुलिस ने किदवई नगर के रहने राहुल जैन, शिवम त्रिपाठी, यशोदा नगर गंगागंज के रहने वाले सचिन गुप्ता, वंशराज समेत 5 को हिरासत में लिया है। पांचों दोस्त बताए जा रहे थे।

कार्टन में भर-भरकर रखे गए थे नोट

कानपुर में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप यानी SOG के ADCP सुमित सुधाकर रामटेके ने बताया- बीते कई दिनों से शहर में हवाला, सट्टा कारोबार और अवैध रूप से शेयर ट्रेडिंग की शिकायत मिल रही थी। गुरुवार रात करीब 9 बजे धनकुट्टी के रहने वाले रमाकांत गुप्ता के घर में छापेमारी की गई।

एडीसीपी सुमित सुधाकर रामटेके ने बताया- आरोपी क्रिकेट में सट्टा खिलाने, हवाला कारोबार और अवैध रूप से शेयर मार्केट में ट्रेडिंग करते थे। आरोपियों के तार गैंगस्टर और इंटरनेशनल क्रिकेट बुकी अंकुश अग्रवाल से जुड़ रहे है।

पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने बताया- गिरोह के तार दिल्ली और नोएडा से सीधे जुड़ रहे हैं। कई रसूखदारों से डील हो चुकी है। पकड़े गए आरोपियों ने कुछ रसूखदारों के नाम बताए हैं। जानकारी जुटाई जा रही है।

पृष्ठ 01 का शेष...

तमिलनाडु में ...

यानी करप्शन माफिया और क्राइम को बढ़ावा देने वाली सरकार। तमिलनाडु की जनता डीएमके को उखाड़ फेंकने का मन बना चुकी है। यहां एनडीए की डबल इंजन सरकार बनना तय है। डीएमके में वही आगे बढ़ता है जिसके पास करप्शन रूट, एब्यूज वूमेन रूट और एब्यूज अवर कल्चर रूट हैं। यही कारण है कि डीएमके में वहीं लोग आगे बढ़ रहे हैं जिन्हें ये सब काम आते हैं। तमिलनाडु का बच्चा बच्चा जानता है कि कहां कितना करप्शन हो रहा है और ये कमाई किसकी जेब में जा रही है। बीते 11 सालों में एनडीए की केंद्र सरकार ने अभूतपूर्व काम किया है। 2014 से पहले दिल्ली में जब कांग्रेस गठबंधन की सरकार थी। तब तमिलनाडु के विकास के लिए कम फंड दिया जाता था। पिछले 11 साल में एनडीए सरकार ने 3 लाख करोड़ रुपए तमिलनाडु को दिए हैं। ये कांग्रेस सरकार की तुलना में करीब 3 गुना है। एनडीए सरकार ने तमिलनाडु के वेलफेयर के लिए करोड़ों रुपए दिए हैं। कांग्रेस गठबंधन के कार्यकाल में गरीब, एससी, एसटी, ओबीसी के वेलफेयर के नाम पर सिर्फ घोटाले होते थे। हम सिर्फ तमिल संस्कृति की बात नहीं करते बल्कि उसकी रक्षा के लिए काम भी करते है। भगवान मुरुगन के दीप को लेकर विवाद खड़ा किया गया तो हमारे नेताओं ने आवाज उठाई। डीएमके और उनके साथियों ने वोट बैंक को खुश करने के लिए कोर्ट को भी बदनाम किया। डीएमके तमिलनाडु की संस्कृति की सबसे बड़ी दुश्मन है। गुजरात राज्य का गठन 1 मई 1960 को हुआ। पहला विधानसभा चुनाव 1962 में हुआ। 35 साल (1960–1995) तक कांग्रेस की सरकार रही। इस दौरान भाजपा राज्य में बड़ी जीत की तलाश में थी।

जम्मू-कश्मीर के ...

इस पर सुरक्षाबलों ने उसे ढेर कर दिया। आईजीपी जम्मू ने भी उस्मान के मारे जाने की पुष्टि की है। पिछले हफ्ते सुरक्षाबलों की जॉइंट टीम ने बिलावर इलाके में ही आतंकियों के 3 ठिकानों का भंडाफोड़ किया था। मौके से कई चीजें बरामद की गईं थीं। आज से पहले 7 जनवरी और 13 जनवरी को भी बिलावर इलाके के ही कहोग और नजोत जंगलों में सुरक्षाबलों और आतंकियों की मुठभेड़ हुई थी। 18 जनवरी को किश्तवाड़ के जंगलों में सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबलों और आतंकियों की मुठभेड़ हुई थी। आतंकियों के ग्रेनेड हमले में 8 जवान घायल हुए थे। 19 जनवरी को एक जवान हवलदार गजेंद्र सिंह इलाज के दौरान शहीद हुए थे। किश्तवाड़ के तरू बेल्ट में मंडराल-सिंहपोरा के पास सोनार गांव के जंगलों में ऑपरेशन त्राशी-1 जारी है।

उत्तर प्रदेश के सभी ...

ब्लैक आउट के दौरान आपात-कालीन बचाव से संबंधित विधियों का अभ्यास और प्रदर्शन भी किया गया। अधिकारियों ने आसपास के समस्त प्रतिष्ठानों, चेंबरों, कार्यालयों और क्षेत्र की जनता से निर्धारित समय के दौरान अपने घरों और प्रतिष्ठानों की सभी लाइटें बंद रखने की अपील की थी, ताकि बाहर किसी प्रकार की रोशनी दिखाई न दे। साथ ही लोगों से अनुरोध किया गया कि वे अपने घरों में ही रहें, बाहर माचिस, लाइट या टार्च का प्रयोग न करें और सावधानीपूर्वक चलें, भागदौड़ न करें। इस दौरान धूम्रपान करने से भी मना किया गया है। एडीएम ने स्पष्ट किया कि यह ब्लैक आउट पूरी तरह एक मॉक ड्रिल है, जिसे सिविल डिफेंस के वार्डनों की सहायता से लागू किया जा रहा है। इसका उद्देश्य जनमानस को भविष्य में हवाई हमले, युद्ध या अन्य विषम परिस्थितियों में होने वाले ब्लैक आउट के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे इस अभ्यास में सहयोग करें और इसे गंभीरता से लें। मॉक ड्रिल में सिविल डिफेंस के जिन वार्डन की सक्रिय रूप से ड्यूटी लगाई गई है, उन्हें दोपहर में ही मॉक ड्रिल स्थल पर पहुंचने के निर्देश दिए गए थे। सभी वार्डन मॉक ड्रिल स्थल पर मौजूद हैं और तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। सभी वार्डन के लिए शाम 4:30 बजे तक मॉक ड्रिल स्थल पर पहुंचना जरूरी है। इसके बाद सभी के साथ ब्रीफिंग कर समन्वय तय किया जाएगा और मॉक ड्रिल पूरी की जाएगी।

योगी ने सुभाष ...

मुख्यमंत्री ने कहा कि 1897 में एक प्रतिष्ठित अधिवक्ता परिवार में जन्मे नेताजी को बचपन में ही उच्च शिक्षा के लिए ब्रिटेन भेजा गया। आईसीएस परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने के बावजूद उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत की नौकरी ठुकरा दी। पूरी तरह भारत के स्वाधीनता आंदोलन में कूद पड़े। जब महात्मा गांधी के नेतृत्व में देश का स्वतंत्रता आंदोलन नई दिशा ले रहा था, उसी दौर में नेताजी ने क्रांतिकारियों के अग्रणी नेता के रूप में आजादी की लड़ाई को नई ऊर्जा और दिशा दी।

उज्जैन के ...

जिसमें एक युवक घायल हो गया। पुलिस ने 15 लोगों को गिरफ्तार किया है। गुरुवार रात एक युवक से मारपीट की घटना के बाद दो समुदाय आमने-सामने आ गए थे। इस दौरान उपद्रवियों ने 13 बसों में तोड़फोड़ की। शुक्रवार को तनाव और बढ़ गया, जब हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने तराना थाने का घेराव किया। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता थाने पहुंचे और नारेबाजी की। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के लिहाज से शुक्रवार को बाजार बंद रखने का फैसला किया। क्षेत्र में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया।

48 घंटे में दूसरी बार सीजेएम बदले

एएसपी चौधरी पर एफआईआर का आदेश देने वाले जज की जगह आए थे

तमसा संकेत, एजेंसी

संभल। यूपी के संभल में 48 घंटे में दूसरी बार नए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (CJM) की तैनाती की गई है। अब कौशांबी के CJM दीपक कुमार जायसवाल को संभल का नया CJM बनाया गया है। वहीं, संभल CJM आदित्य सिंह को वापस सिविल जज (सीनियर डिवीजन), चंदौसी भेज दिया गया है। इसके अलावा, नावेद अख्तर को जूनियर डिवीजन जज, संभल से अपर सीनियर डिवीजन सिविल जज, चंदौसी नियुक्त किया गया है। आदित्य सिंह को दो दिन पहले ही प्रमोशन दिया गया था। उन्हें विभांशु सुधीर की जगह CJM संभल बनाया गया था, लेकिन इस फैसले के खिलाफ वकीलों में काफी नाराजगी थी। आदित्य सिंह ने ही संभल के श्री हरिहर मंदिर बनाम शाही जामा मस्जिद दावे पर सर्वे के आदेश दिए थे। विभांशु को

विभांशु सुधीर | आदित्य सिंह | दीपक जायसवाल

सुल्तानपुर में सिविल जज सीनियर डिवीजन के पद पर भेजा गया था। बता दें कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मंगलवार की शाम बड़ा फेरबदल करते हुए 14 जजों के तबादले कर दिए थे। लिस्ट में चौंकाने वाला नाम विभांशु सुधीर का था। विभांशु ने 9 जनवरी को ASP अनुज चौधरी समेत 20 पुलिसकर्मियों पर FIR दर्ज करने के आदेश दिए थे। आरोप है कि संभल हिंसा के दौरान ASP अनुज चौधरी समेत अन्य पुलिसकर्मियों ने एक युवक को गोली मार दी थी।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6–बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676